DPN 6219

Title : ये सफू मे सफू ME SAPHU

Run. No. 6910 Cat. No. Micro. No.

Subject गे / Songs Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 23 × 13 Folios 101 Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl. Chapt. / act /

Author / translator Scribe / donor जुजुमान महर्जन

Date: NS / SS / VS / KS Ruler / place Jujuman Maharja

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. / Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

टिप्पणी : मेगा हरिर्वक सफूमा लिखाम २५ Song titles on the margin of MS.

टिप्पणी: बुकी संस्कृत गीतगोविन्द काव्य मे छ, नेपालभाषा मे, हिन्दी व मैथिली मे, ~~मैथिलि~~ भाऊदास विरचित रामायण मे छौ १-८४; देवीदास भाऊं चित्त नाउ मे हिन्दी, भाऊंदासया नेपालभाषा मे, अमृता वाक्यमि जुजु रणबहादुर शाहया नी दुगु नेपालभाषा मे र छ (229 सुमु मे); अगु सकुतिं श्रीरणबहादुर शाहया ईमान्द नेपालभाषी कवि भाऊंदासि परिचित जू ग:ग छ।
रणबहादुर शाहया अमृता वाक्य ७गु मेदु (२६४)

✓ बुकोंदे मे (मेदु २६७)

बुकी मेदु छ जिलें २७३ पु छ ग: २७३ न्या:या मेय २७ चरण नं दया ले मेदु ईक मदु। व्हासाय् प्रकाशित जूम्ह नायोया मतेना मे।

ति तमाव ॥ ४ ॥ ॥ विगतरूपधर्मत्व ॥ ॥ ॥

रागकेदारा

रागकेदारा

रागकेदारा

नावनमानि रवीरूकनाजदी सीता नामलक्ष्मण अयोध्याहिनीकनकः
आयि ॥ ३ ॥ नामनागकिसव जातकदुनिया स्वर्नलगे धन्य नामक अंग
पकान सुनमुनिनसब ॥ ४ ॥ श्रीमाधवकदास राउ कहत हनामना
म माकीनगतहा कर्म नाशनामकीजय ॥ ५ ॥ फ ॥ ६ ॥ ॥ नागका
फना ॥ पनताल ॥ हनधनअवतानलिय बलरुद्रअनकनारायण
बलदेव बालरूपधरे खेलकनयमुनाकेतीर हनधरे ॥ १ ॥ साधुनक
हितकिया श्रीनामरुकपालक दुष्टमानपतिकउधानन जगतकदाता
॥ २ ॥ वकलछाडीक मथुरानहगत जलासंधवधकार्य अक्षाहिः
नी अथकुलि मथुराधनि जलासंधजानीकखोज ॥ ३ ॥ श्रीबलनामगे
मुनहलालिय मानलिय कुगकतीर अक्षाहिनिअथकुक मानकजला

सन्ध सुहसनलाएधर्य ॥ ३ ॥ जलासन्धकय कसपकनीलयि विनामानय
छानदिय हनहनआयमानी अथकुअक्षाहि जलासंध हुर्छादिय ॥ ४ ॥
आयिसगनवषगमामानि तिन्नासान अक्षाहिनीमानै अथकुवषगआ
य अथकुअक्षानीलीय मथुराधनादर्ष ॥ ५ ॥ रीमजलासन्धमानीमथु
रालाक सवली घानकाजार्य एकनातमयलगी मथुराछाडी नामक
अ घानकालगर्य ॥ ६ ॥ घानीकाजव रुगय बलनामकअ माहनघान
कानहै पर्वब्रह्मतनीगति अपानपान घाविकानाथजगतव्यापिर्त ॥ ७ ॥
श्रीबलरुद्रक दास राउ कहतकृपानाथ बलदेव प्रहचनलकआस
किदास कमनपूनकनीदर्ज ॥ ८ ॥ फ ॥ १० ॥ ॥ नागकालाव ॥ षअ
तिताल ॥ जगतकिप्रह जगनाथजीनाव वसुदेव देवकि पूत नन्दलाल

॥१॥ वृद्ध कान्हवतारहे, कलवं ॥ध्रु॥ सनमुनिनवलाक, थाकुर्द्धावधा
उ, दनलनकृपाकर, रागकछुपाउं ॥ २ ॥ कृपानिधि, दयानिधि, करुणा
मयकं, त्रैलाकछीश्वर, उहीजगनाथं ॥ ३ ॥ रागपाय, दर्लदहा, पतित
नूक्षर, जयजय, जगनाथ, उआचरलं ॥ ४ ॥ श्रीमाधवदास, राउ, पूका
रत, निवाहाहविउलगाय, सदाकालं ॥ ५ ॥ ध्रु ॥ ११ ॥ ॥ राजवि
जयराग ॥ ध्रुत प्रकताल ॥ कलिकि, सकयिज, रागीकलंकि, रूपधर,
गी, नामनामनहि, राउगी, नमधर्मसवरूल, जागी, ॥ १ ॥ जवकलंकि,
सवमानी, सुनसंसार ॥ ध्रु ॥ ब्राह्मणगायत्रीनकनी, वदगुरुविद्याछा
दी, स्नानदानसुगानाकनी, लारुनीवकर्म्मसवकनी ॥ २ ॥ ऋतिगजा
गध्यान, छाडी, कामवसकुलाकनी, मायापापकनवगानी, गुरुदवनि

ब्राकयगी ॥ ३ ॥ रूपनीलुगकनलयी, घाहिरुना, दगुकनी, सूर्वपक्कलाग
मार्कनी, नवपनिहायिकंगालकी ॥ ४ ॥ वयीस्यसूद्रवृटिनदी, दानपूज्य
जगछानी, वंताकलयकर्मावायी, रुनिरुकजगमायकनही ॥ ५ ॥ ब्राह्म
णक्षत्रीवैश्यसूद्र, वोनवर्ण्यप्रकहायी, वलमानलुगकपायी, दवसुजा
कवसमाजायि ॥ ६ ॥ श्रीमाधवदासराउ, करुणप्रसुकवीत, सुष्टिस्थि
तिसंहारकनी, जगपतिवाहसाहिकनी ॥ ७ ॥ ध्रु ॥ १२ ॥ ॥ राग ॥
नट ॥ तालखर्झति ॥ प्रसुअवतारे, मथुरासहर, वसुदवदवकीपू
त्र, एकुलमानन्दजसादाकी, नषहम, लयिवले, वन्दछुतए ॥ १ ॥ श्री
कृष्णकर, जगतउधारे, पूरनब्रह्मअवतार, ह्यतिसकोटिदवकंद
र्प, मोहनवालरूप, धर ॥ ध्रु ॥ वसुदवउथ, मनपछुतायं, वालमक

दलियवर्ल्य कुण्डटि वंधन सवमूलगयी गोकुल नंदन घनपूरा॥२॥
निदमनहुं जसोदानूपन वालरूपनाथ दविलियं वसुदवहिनन
दवकिपूछन दविलिय यमूनानन्दनं॥३॥गुननवमूनि मंगलगायक
न नंदजसोदाहनषितं॥ ग्वालवालगोपिनि हनषवधायी कनसव
लाकमनमाहं॥४॥श्रीस्यामसुन्दन कमलनयनं प्रद्युम्नपूरुषजनमह
यं॥ राजादासकहयं थाकुलकसवनं हुगहनवाकनीकनं॥५॥ॐ॥
॥१३॥ ॥नाटगाग॥लुंजनिताल॥ दूधपियी मनगयी दूनानानं॥
मातिषान मूषनिनिलाकदमायं॥१॥गोपीनाथ रमाहुन मूनजीव
जन॥ध्रु॥उषलमवाधि जमनाईनगान॥ जसोदाकं गोद वालगोपि
कप्राणी॥२॥धन्यरागमानि ग्वालग्वाली सवकं॥ परंब्रह्म निय घन

श्रीकृष्ण

श्याम

श्याम

श्याम

लिधर्न॥ ७॥ जवकुरुगनहिछाडी एमपिनिमिलिकहर्न॥ वाल्ववनकन
लिकामनस नानदिकनीर्न॥ ७॥ कृष्णकनन कलाचौनालिक एमपिनी
माहर्न। कननकनसक वृन्दावन षलगकगर्व॥ ८॥ कहतराजादासक
हनतकृष्ण एमपाल दवगनकुमद प्रहएमपीनाथ॥ ८॥ फ॥ १५॥ ॥

एमपालिनाग॥ स्वर्जुनिताल॥ एमविन्दवृन्दावन नमिनसकीना॥ कृष्ण
नक जिनकन नसगरीना॥ १॥ स्यामाहर्मप्रान नानागनकप्रान जैस्य
वन्द्रमा॥ फ॥ मुखमुखमिलित नैगनैगजाना॥ कमलनयनसा मृगनैनी
जाना॥ २॥ मनचितजावित नसवसमीला॥ मधुनकमधुकन कर्मकर
जाना॥ ३॥ एमपिसवगजाय एमपीनाथसुन॥ एमपिसवनवय कृष्णवीलि
वजाय॥ ४॥ नजाग्वपिकवना पाल्लिपनवध॥ छविवनदानक वजाले

एमपिका॥ ७॥ एकत्रकनस कनि कवकृनहला॥ रगरुनप्रसंगसखि
खेलना॥ ७॥ पीकृष्णकदास राजाकहयर्न॥ सनकृष्णचित्र हमनेही
जाना॥ १॥ फ॥ १७॥ ॥ कोमादनाग॥ वजाताल॥ सूर्जकनन्दिनि न
धमावधायक ल्यायहमाल्पर्वत दख॥ पनवगहमाल हमनहयकर्पि
ताउमकाछार्न॥ १॥ जाम्बुवती यमुना रुयीवहन कली कृष्णस्वामीउन्न
पाना॥ फ॥ मुनिवहजगमा जाम्बुवतिगंल निषिदषिसनापकर्न॥ नि
षिउम हमकं सनापदिउधार्न जगतउधारनकर्न॥ २॥ जगतउधार्न
यमुनापर्सिख सैसाकउमहिनार्न॥ कननकवनर्ष कृष्णन्नवतार्न कृष्ण
यमुनाविवहाकर्न॥ ३॥ न्नवतावएमकुल प्रहकरुयन खेलतयमुः
नाम्नायन॥ सनमलीकिनार्न जाम्बुवतिनहकं कृष्णगयपूछतकना॥ ४॥

ज्ञहिविधिहमानकनककर्मनलिषनदषनकथिनकदुखकोप्रीयतुमरन
कोकविषोदनमनिहाकन॥३॥दालवर्कतुमनघनमानहनसाकुगप्र
विवहाकन॥दालवधियमूनाप्रतसंगश्रायकोमहलमवयथकन॥४॥
वनणसमलदहमकतुमनश्रीजयकृष्णपाल॥दासराजाकहहह
निहनिमूनानवहमतुजूदासन॥५॥फ॥१५॥ ॥दशमषनाग॥
एकगाल॥वलहमममथूनाकवालहनकंण॥हमहनरायिकवलग
लदीन॥१॥मनकामपूनाकनिआजाना॥ध्रु॥सवदूसगयनामक
ष्णमथूनाक॥पूगगयकावंधवकामूलदन॥२॥क्षाकाखोलिगकुः
हाथिपहिलमानि॥नहिपहलवानवानकयमानि॥३॥हिनवकदे
षि॥नूकपूननहिकंण॥कूतगंकंकंण॥पकर्पछाती॥४॥वहुगदिन

हय॥वदिछतिवसदव॥दनणनमावाप॥इनकीकनन॥५॥हनषकि
सवलाककहजयकृष्ण॥छगसनकनाजतीलदियमर॥६॥श्रीकृष्णः
कंदास॥राजाकहहन॥मनानथपूनकनि॥नामकृष्णकन॥७॥फ॥१८
॥ ॥रुनवनाग॥पनिमानगाल॥विननिकनगउक्षा॥माधव॥जाग्ग॥
सवरुयवनीवषर्त॥गउानविलंन॥वालगसूर्जउदप्रनिद्रानकनर्न
॥१॥जाग्गमाधव॥जाग्गकंणव॥स्नानवषगजार्त॥सूवर्णगविम॥गंगाज
लरुनकं॥दासनल्यायकनाषर्त॥ध्रु॥दगउानसनजमसानिक॥लमा
र्पिगाम्ब॥धजानिनाषिर्त॥वैथकिनषन॥सिंहासन॥सूनकय॥मनिजनवष
किधर्न॥२॥पूजकयनूवनक॥राजनकव॥मग्रासव॥थन्दरुयजार्त॥सूव
मूनिननानिन्नाय॥दनणनकवप्रसदग॥सवकं॥३॥श्रीकृष्णदास॥रा

ओ सामग्री ऋगनाउम हमविकिकर्न प्रकषवनसवकय वाहियन उध
वकहोउमसाव ॥४॥ ॥१९॥ ॥मानूधनाश्रीनाग॥ खऊनिताल॥
खयवनकनऊग नूक्षिनिहनन वाहाघकर्ह्ण नथचधायलेसी ॥१
॥कण वलगयी लाकर्धघनहय ॥ ॥ नूकमी सूसूमगय हाऊलिय
लनन लनगहान नूकमनिवाँल ॥२॥ लाकलाऊमानि हिनग
यी दलकं घनवनरूपन नाँवहिकंत्याक ॥३॥ श्रीकृष्णकदास हा
ऊकहयकं नानिहयीनूकमिनीऊगनसवक ॥४॥ ॥२०॥ ॥
१वनाडिनाग॥ नघूलेषनताल॥ रूपनिवनि कंन्याभऊ गुन्दननि ऊ
कर्ति हनतिहनटिकयदकडिनाषं ननकाशुर्दैपवनानभग साहुह
ऊर्गडपनी कंन्याकनाविर्त ॥१॥ पर्नब्रह्मकीन २ कृष्णगयिननकास

मर्न निकालिसवकंन्याक तिर्थमनाहायं दखिकृष्णकमलनयनरूपं ॥
ऊ॥ लगयिनखिकंन्या सवपासाकहिनि कर्दिनि नत्तकिऊनलि गहना
पहिनं साँतनूँपकन विवहोऊसानऊ लाकउमचाहियकऊनं
॥२॥ ऊकंथलि सोऊहऊन प्रकलऊआथरे सामग्रीऊार्कनिवर्लह
यीवकं ऊकसवकवीवन वनावनवषसादा लाकसवऊकपर्वेथ
॥३॥ मंगलगयलाकआयि गंधर्वनावलगी वदधूनिहाति वऊकन
वाघ लालसकनआयऐ रवनवहुर्दशका दषकनश्रीकृष्णवनिर्त
॥४॥ श्रीकृष्णरूप साऊहऊ सोउपनीआथरे प्रकृष्ण प्रकंन्या ऊकप्र
वेथं ऊकपनसववेथि हहस्ति उत्ष वर्तऊ कृष्णवल कंन्यासमत्या
वं ॥५॥ ऊकंकिसंपूर्ण्ण सायित् प्रकंन्या दानसवली सवकि प्रकेसायित्

विवहारयं॥ हर्षवजयककन मानियसदगकिया॥ दालसवन्नकपनल
गयं॥६॥ सवकविदाकनदयी॥ नूकनूपिश्रीकृष्ण॥ कनगारेका॥ जगगकि
उह॥ श्रीजयकृष्णकीज॥ पतिनकप्रक्रिपा॥ दासराजकप्रसगविन्दं॥ ७॥
॥फ॥२१॥ ॥रागपीवल्लरनाग॥ एकतालीताल॥ कृष्णकय॥ बालाय
नर्ङ्गनस्वमाय॥ नानिसकलबालायक॥ इंद्रप्रथकणवलीचलक॥ कस
वरन विनाभय॥१॥ माधवककनग॥ कमूरिगग॥ वनिप्रकस्वामक॥ फ॥
दालवधिनानिक॥ साक्षहजानकणउपनी॥ नाथसवक॥ ज्ञानकाछातकव
लानि॥ सवकइंद्रप्रथदषवलीक॥२॥ काहिचधपालकि॥ काहीचधता
ती॥ कतनिवथवधिजान॥ पासाकनूनग॥ गहनापेलक॥ इंद्रपनथसव
गयं॥३॥ वलहिन॥ नर्ङ्गनघनकयजाय॥ श्रीकृष्णहनषितजान॥ लालक

नवकृतसवक॥ चाकुघानिका॥ इंद्रप्रथजानं॥४॥ पगगयि॥ इंद्रप्रथदन
वान॥ पाण्डवसवकनहुगं॥ नानिकेसवककाथनिप्र॥ एकसनाजामपूनिकन
दीयं॥५॥ गइंनहिकाजकहन॥ कनदषि॥ एथनकदिननहिहीनं॥ पाण्डव
पाकृवन॥ वकृतकनाय॥ विदाहेहिसवगयं॥६॥ नूसिरुयिज्ञानकापूगी
सवनहि॥ माहनप्रहकृष्णनह॥ श्रीकृष्णकदासराजाकहयक॥ मनकाम
नोमवियूगं॥७॥ फ॥२२॥ ॥मारूरागाग॥ नघूणषनताल॥ लिष
नकहृदीहम॥ साव्रनसाक॥ हृदीनकासाव्रनसान॥ सवकीनगदीदिय॥ वू
कायक॥ हनिलिषउमन॥ फ॥१॥ वयनागीहनीपाय॥ पाडाटिविथीलथ
निहृदीहजीहमराग॥२॥ घरहकृष्णलषिहजी॥ विथीवचन॥ कन्नयीया
दासहनषन॥३॥ कृपाकनघानकानाथ॥ सवक॥ संखचक्रगदापद्मछाः

यं॥४॥छापरयगन्मनागङ्कनेनपान,गगनकपनिगउद्यान॥ग॥कह
यकश्रीकृष्णकदासहाउ,दनेषनहानकानाथकपायी,उनकपूनजन्म
नहिकवहून॥७॥फ॥२३॥ ॥श्रीनाग॥चाउखङ्गितिताल॥माहा
मीश्रवयकंथनहग,वनलियनानदग्रायं,वनवगायकन,गउगनो
गलिय,मूनिमूषनिकलनागं॥१॥विष्णुदषकनं,दवलाकसवनहिदर्ष,
नानदगउग,हनषकनग,एकएकनिकेलीनागं॥फ॥छनागकनागि
नि,छतीससमग,सवनिकलिग्रायनागं,मूनेक्रसदषग,दवलाकाहरे,
मूर्छालियविष्णुमाहनं॥२॥श्रीविष्णुगंगगेलहागेयदषग,गंगनहिवि
ष्णुनाहिनं,दषेगनदवलाकसवहोनग,कमण्डलुलियब्रह्मग्रायं॥३॥
ब्रह्मानखलिगंगकमंडलुक,सवलियब्रह्मागयं,गयकननानदन्

कालवानिरे,हनिविष्णुरूपधनयकं॥४॥एगीसकाटिदवदनगानकि
य,जयजयश्रीविश्वरूपे,हनीगंगरूपरे,नानदकेमूषहनीनागनागि
निगयं॥ग॥त्रिविक्रमकन्नूवगान,वनदीकग्रहिगंगब्रह्मोवग्रायं,लि
वलियजटामागंगकनषग,पिछलागीकीयं॥७॥विष्णुदासहाउ॥ नथी
कहगक,सवनूपमाधवनाह,सनमूनिननकउधानकनग,वयकूं०
पनविनाजिनं॥ग॥फ॥२४॥ ॥विरासनाग॥एकताली॥ताल॥गु
नमूसनमिलि,समूदनमथन,सुमनूकसषनागवार्ध,पूछनकगनेपः
दवलाकखेची,हनिगनपदानवखेची॥१॥नारायणकृपाकनन,सन
गनपन,नाषनिहान॥फ॥निकलगनोनगन,कोहुरमनीकस्वनकनि
मूयलावनहाथि,निकलगचीजसवेमूलक्ष्मीनिकली,दषगनविकटनू

पकी ॥२॥ निकलगनानाचीज, कालकूट निकलि, सुनपान अमृत निकली॥
निकलिलक्ष्मी आयी, त्रैलोक किनाथि, दषिजवमथनकछाडी ॥३॥ निकले
दवागकनि, दानवलाकहि, कालकूट अलक्ष्मी दूनली॥ सगनगकनहि द
वलाक दानव, माहिनिवोतद इंद्रीमानी ॥४॥ माहिनिककहिमानि, सुन
असुनक अमित्रहमे दूकापिलाई, निकलगचीजसव, दवलाकलयी, र
लीजर्व एकनहि छाडी ॥५॥ एकएकगनपकि, सुनअसुरईदाइदा कनि
वेथीपंगतमीली॥ पिलाउगअमृत दवलाकसव, दानवकमदपिलाय
दी ॥६॥ छलकनीनाहलि, अमृतमषदानि, नाहकमिनहदाकदेयी॥
अलक्ष्मीमनिकदयी॥ विअलेक्ष्मीलिय, कालकूटशिवलियखायी ॥७॥
सुनजयपूकानग, लक्ष्मीनानायण, सुनगलक, जिवदानदयी॥ श्री

लक्ष्मीनारायण, सुनउध्यानन, दासराजाभयरुविपुल ॥८॥ झ॥२ग॥
॥ ॥पंचमराग॥ वीरखर्जितिताल ॥ जयकनूमाधव, दासकप्रदउम
माधव, पतिउधारन॥ मदनमनाहन, वलिधनमारुन, खलतवालकृष्णमा
हधन ॥१॥ कृष्णकीनपाकीज, सेवकविनति सुनीजनार्दन ॥ध्रु॥ वासु
देव, मकुन्द, गोविन्द, गिरिधर, केशव, जमधुसूदन॥ हरिहरि, मुना
नी, लालविहारी, गरुडध्वजरुपिहारिन ॥२॥ विकामलि, वैकुंठना
यक, नरसिंह, श्रीराम, श्रीपति, उमह॥ पूर्णब्रह्म, पुरुष, धनत, शंख
चक्र, गदापदम, लक्ष्मीहिन ॥३॥ सुनमुनिननक, अधारपरब्रह्म, चतुर्भु
जसुबनधारन॥ दवकय, दवकसुवक, कसाहव, सागरसुवकतारले ॥४॥
श्रीमाधव, कयासराजा, कहगयी, एकमापकगोविन्द॥ दयाकरहमक, द

र्गनदप्रसूक एमविन्दगीतसवमयले ॥ ७ ॥ ॥ ॥

छिनन थनकआनन हानवछिं खालिंभूमि ववनकलनिझायी ॥१॥
वछिंजीतप्रतुहुन दयानगयी लिपगहुतिनन्नसस सजोयी ॥ वछिंजि
नवानन लूमनिछिंछिंहवि दासराउन मनगय मंहूछुनी ॥२॥फ॥ ॥
॥३०॥ ॥आदनागाग॥प्र॥औरुनसवातया प्रसछिं तिनिजाग हुक
कल छिन ॥ध्रु॥छपतकननजिनं लूमदन वाहाकालगस्य भूविमानः
उवास्य जनदिन पीकृष्ण हमलाहा राउदासिछिंछिंहाला ॥१॥फ॥
॥३१॥ ॥आदनागाग॥प्र॥मैयामन हाउहा कयसीकवना हम
न तिनलाकदषिन हाहा ॥ध्रु॥धमधमकनउम वलिहिनि नाकन हा
उक वालायिक आयिन वालउम लयिजायी ॥ मनिजाहाहा आउतलें
यिहा ॥१॥कनकनकअसनकोमानकनी दषिनहाहुको अजहुनमाः

यिन लालगदमनिनही मनिआहाहा कहलिमानिहा ॥२॥भूविगनः
वालनिन कहनदासक राउहा कवहुनस्यामक कहली सवनाही न
हिजोहाहा आजकदिनहा ॥३॥फ॥३२॥ ॥पनजगाग॥ ॥
खेलनमनियाहानि वालमकुन्द ॥ध्रु॥जसादागयदषग दधिवहु स्याम
कयपकवधी ॥१॥उषलकेवाध दषियमसकाय उमानक घिस्यरागी ॥
॥२॥इनवृक्षक धकासा गिनगक जमनाहुनगानी ॥३॥दासराउक
प्रदवालकृष्ण वाषसनमहुमानी ॥४॥फ॥३३॥ ॥पनजगाग॥
॥ ॥हहसविग्यामउाला लासारिनकी ॥ध्रु॥ग्ववग्यालसहुनस
लउंनिउा ग्यालवलहिकविंकि ॥१॥लखकाहुउा आसस पालिवायल
वानायाआलनगी ॥२॥आसमिसान नियाव निउलिंगी नूजलनउल्यः

हकी ॥३॥ स्वयकायकं हिंउलिस्वानछ्य समालजियथ्याकी ॥४॥ लि
पेलातस जीकेसउ ॥ मधू सलताउवानाहकी ॥५॥ मनउदास राउ
याप्रेमउ वछिहनेहउदछी ॥ ७ ॥ ॥ ॥२४॥ ॥ विरासनाग ॥ चौ
ताल ॥ माहादेवजगदीश्वर नाह ॥ शंकरहालिवलाशजटाधारी ॥ ध्रु ॥ व
षरध्वज सम्मान वासि नहि हुनेषच्छ रुसलभयि जागेश्वरपशुपति
हा ॥ १ ॥ धउरोगनिलिदिन वासुकरे दिगेश्वरहालाहा सवकीदाता
उहियइपति हा ॥ २ ॥ विश्वनाथत्रैलोकनाथउमहा कृपाकरहाउदास
कय दुखहरउमापति हा ॥ ३ ॥ ॥ ॥२५॥ ॥ विरासनाग ॥ चौताल ॥
सवमइछिविनानमायी त्रिभुवनवाली सेवीपावेवनी ॥ ध्रु ॥ कयि
लास सविश्वाक गिरिनन्दिनिकुमारी त्रैलोककिमानी जयथकुवाणि

हवानी ॥ व ॥ ऋतिदुखदुखियाकुसाउहरि सुदृष्टिनहाउदासयाविनति
ईहहनिरवानी ॥ २ ॥ ॥ ॥२६॥ ॥ नागकाहि ॥ ताल ॥ जानक
साथकवोहि हा ॥ ध्रु ॥ जनमकयकलि मननकयकलि खववपानी
सोथमिलगी ॥ १ ॥ हनहविरूपनं कनसकउनवि हवसागनीपा
नतावदी ॥ २ ॥ धनजाउहनकं घनवनकिहकि यकसंगेकी नही
वलगी ॥ ३ ॥ जवजमलगेग हिविपछताउगी ॥ हवाजिउ मती
हावी ॥ ४ ॥ निवदयप्रहकं हमपनकनेकि प्रहविसनी मविवा
जिले ॥ ५ ॥ कलपनकहिल हाउदासकनन सुनोनामजीसाहव
मनी ॥ ७ ॥ ॥ ॥२७॥ ॥ नागकाहि ॥ ताल ॥ वानसलाग
कउजीकं ॥ ध्रु ॥ सुथदनउननउ ससजिउ मिलहउउमाउलि

जिसिद्धयू॥१॥कगपिनमकन जिनछछकन सबिउ उनिरधमिजम
इ॥२॥छपगकजिमूद गलप्रदघस्पूस्प मानिमालजिगवियागथ॥३॥
मनसजिलमल कृष्णउषकन राउदासिनियामनछिउ॥४॥ फ॥
॥३८॥ ॥रागगौरी॥ब्रह्मताल॥ त्रिनयनशंकर नाचगहनखक
न रुवसागर तारसंसार सवक॥फ॥वसाहवधि लिवआहर वाना
वसा नूर्ध्वपूर्ध्वक नहगकाशिमा विश्वेश्वरजगगआर॥१॥ववानवक
गये हमनक राउदास मनन वनारस नरुवक राउककाशीक मन
नकदना॥२॥दयावविश्वेश्वर जानर पंचकाशिमनय जीवसवक
मूकदगहा विश्वेश्वर कवनगराला॥२॥फ॥३९॥ ॥रागगौरी
॥ब्रह्मताल॥त्रिरुवन शंकरी नाशिरुवानि नूर्ध्वपूर्ध्व नसनविश्वक

त्रिभुवनशिवशिमा
त्रिनयनशंकर

त्रिभुवन
त्रिभुवन

काशीपूरीह॥फ॥लहीकसकलाक मायिह नूनपूर्ध्व कनूआमय
दविह जिउदकासयानूधान दिनपतिविया॥१॥उदासरुमाहामा
या जिमनसदान सुदृष्टि ववलसह नसनकृपाया रुवानी राउया
मंगया॥२॥फ॥४०॥ ॥रागपर्ज॥चौताल॥साधून करुआहिना
कनगनाषनिरान॥फ॥जानाहुनकाप्यास लगोह दषन नहिन पानि
क कैसा जियगा रूषनसहिल पानिकिविरान॥१॥दासराउकप्रव
दषल श्रीरामजगत पालक कृपानिधिधाम कवन छिनमे सागवगाने
॥२॥फ॥४१॥ ॥रागपर्ज॥चौताल॥माधव छिनकनूनो सुदृष्टि
सायजिमाल॥फ॥लाराजिराग्ध स्वामिकृष्णरु दषनमिल नधिकानिया
नो उपिधीकलक रालना गर्थका हिस्याना॥१॥दासीराउया भवपू

सुमुखीरागमाला
सुमुखीरागमाला

सुमुखीरागमाला
सुमुखीरागमाला

वृष मदन वृषभ आकाल आना उतिक्षायपन मधूसा हाँ आना साभा ॥ २ ॥
॥ फ ॥ ४२ ॥ ॥ राग आदना ॥ मदनमोहना रुनस मनमना ॥ ध्रु ॥ मुनीक
धूनिकनी खेलत वृन्दावन नहुगन दषनआयी ॥ १ ॥ सब सखी मिलि च
ली स्यामन्ह मिलिनही नसकय वाटकसुनी ॥ २ ॥ वचनक मूथी नहीं श्री
कृष्ण प्रदमनी घनकय आयिनसकी ॥ ३ ॥ फ ॥ ४३ ॥ ॥ राग आद
ना ॥ ॥ छिवचन दासराउ लूमनीला ॥ ध्रु ॥ कृष्ण रुन थलिमछिसं
सान लहियरू जितमरू नामकृष्ण ॥ १ ॥ फ ॥ ४४ ॥ ॥ राग जय
जमकि ॥ ॥ माहामाया माहामायि गुप्तकालि कालिकामायी ॥ ध्रु ॥
गिरिनन्दिनि कुमारी पविजयचण्डिका त्रिभुवनेश्वरी बाली पावनी
करुना ॥ तिना ॥ १ ॥ महेश्वरी थकुनानि देत्यदका मारका दक्षाषि म

नुखपिंउ धानया छिदया ॥ तिना ॥ २ ॥ दासराउ नन झाक कृष्णनि
कोलिका दुखदका दुनकाउ सुखकोद लानक ॥ तिना ॥ ३ ॥ फ ॥ ४५
॥ ॥ राग जयजमंति ॥ ॥ नामास्यामा दुनाराथी यमुनाकनि
नमाखली ॥ ध्रु ॥ गोपवाल सबमिलि खेलतमनका कवहिनीमा
निकटी कवहिन हसता ॥ कीना ॥ १ ॥ एकदीन सकनकी गोपवा
ल सबका नामकृष्ण मूथदुना उमकनी खेलता ॥ कीना ॥ २ ॥ दुनरा
यि राजाकही खेलवाल नाचना ॥ नामदी दूधदही लूनकनी खेला
या ॥ कीना ॥ ३ ॥ कहयक राउदास कनप्रर कहया ॥ मनीदुःख दवः
दकी नीककनी उदमा ॥ कीना ॥ ४ ॥ फ ॥ ४६ ॥ ॥ राग धूवी ॥ चल
टि ॥ रंग घाटिकनउ पीयराथिय ॥ ध्रु ॥ छमहीना गर्भ आज ॥

लोगकपीकन वलिल वनानसगा॰ शिवकघान ध्यानकनमनहील॥१॥
दासराजाका मनमन्नोज शंकनेहमके वालिह कालिविश्वेश्व सर्वकेगान
सागेन मनन कालिव॥२॥ध्रु॥४८॥ ॥नागपूर्व्वि॥ ॥नीनिरीनिवि
श्वेश्वर्याजा उधान॥ध्रु॥शंकनसदाशिवया दशकाशीस निकक्कशभा
कं लाखमानीन सकटाजाय कालिवास हनिसकलं॥१॥संसानसि
नामाकला दशकाशास ठठसाजाहन सेवनसदानछिक लाडोयाम
नपूर्व्वयाडविस्य॥२॥ध्रु॥४८॥ ॥नागशंखारुनल॥प्रभान॥पं
चरगुन पनमंत्रन आदि नतीकाटिल्ये॥ध्रु॥नलेमरुवानि शंकनः
विघ्न लाक्कन मूगुन सकल कनदोताहा॥१॥चतुर्द्दन रवन जनसव
पालन मंगल कनन उमदोताहा॥२॥ध्रुनजकनना हाप्रसस्न दास

राजाकहपतिन सवनावहा॥३॥ध्रु॥४९॥ ॥नागशंखारुनल॥प्र
तोन॥ठहनछिन कंरूनयानानी राजश्वनीह॥ध्रु॥हलहरी दनीप्र
कंगल याहन उधान जयजननीदविह॥१॥जनलसनन विजारुवाः
नी सदानछिदास राजायानयाजाह॥२॥ध्रु॥५०॥ ॥रूपालिनाग॥
गजा॥पविमां॥नेदिरुंगि हनगीतगयी शिवनाच दिमिदिमि दमरू
वजायि घूमीघूमी॥ध्रु॥दिदिगदी गदीगथे दिदिगदीनाथे गोनीप
निहवह नाचन वनीहसी॥१॥सनउम शलानाथ राजादासगयी
टथ्थगन दिगथे दिदिदी दिदिदीदी॥२॥महेश्वन पशुपति जगनउधा
नी सदाशिव सवक कृपाकनीउमही॥३॥ध्रु॥५१॥ ॥रूपालीग
जा॥पविमां॥ कहिगयीप्रहमनी हनीहमन्नायी गयीहनदगस सक्ना

नजउरुनी॥ध्रु॥मनीरुनहना दषआलि माटिरुयी सहिनहीजासखि
गवनूबोजीलायी॥१॥दवदकीरुनारुष मनीप्यासलगी गवनूकरा
थक छातीमसनीदानी॥२॥मतिकनीरुनाउम धर्ममतिछाडी राडाके
हिरुनन रुजलेरुनहनी॥३॥ध्रु॥५२॥ ॥नागजट॥ ॥ऋ
गुनीशविपती देवन याका२ याकदनारुनऋती॥ध्रु॥टुंगीनाजाजिनं
गनमषनन साल रुवानियादास शस्यवीनमनऋती॥१॥गुलियान
उलिसन शगुनि मजिला कनूनानेरुगवेन छिंवीमालिवृद्धि॥२॥रुमिथा
स जिगं दवि गुदक्षिनसाध ध्यानवयमश शलऋतिदुषी॥३॥दा
सराउछिन थजमवाषनमारु दयामया लत्नलपि विंध्यनिवासिनि
॥४॥ध्रु॥५३॥ ॥नागजट॥ ॥माहादेव पशुपति त्रैलोकना

थ२ ठडराजायागुविंती॥ध्रु॥गंगवागमतिधीस सुवर्नुपूनी पशु
पति गुरुध्वनी नगनविष्णास्य॥१॥गलेगकमोन कुरिमूष वासुकी
हु दवगापिंसकलन लितकाजावास्य॥२॥वलाफल ऋकुल शिव
नाथीवान ऋषीतीर्थमालक्षय कार्किलछिजान॥३॥पतितयागति राउ
लानाथजसशस दवमुनि नननारी उधारयाठस॥४॥उलनयाकाति
थेगुथास रुजलपे लायीजाऋ यदुपति जनममथिकस॥५॥ध्रु॥५४॥
॥ ॥नागकादरा॥प्र॥रुजामन२ श्रीरामकृष्ण॥ध्रु॥सोनच धामस्वि
ना ववर्द्धनमिनि स्यामसुन्दर मुखवंशीवजाना नाचना गाथे नत्रीदगद
गथे कहराज दासकप्रर बालकृष्णसाहिमनी॥१॥ध्रु॥५५॥ ॥
नागकादरा॥प्र॥मनजानार२ नकृष्णमिजं॥ध्रु॥जिनरुनि रिंकसाजाका

झ्झ्जिहती. ख्वालचन्द्रमाउ उल्यझ्या॥ साउना. छिथ्रिहि ध्रुगनंमइ॥ ऋव
लाया. मनपूरयो. कान्जिछस. सउाया॥१॥झ॥५६॥ ॥रागकल्याण॥
ध्रुपताल॥ आलिनि. चलाव. जाउ गजमूना. उाहि. स्याम॥ध्रु॥ सवकजियका.
ऋधावन. उनविन्. प्रानहि. नहिजायनिदषिय॥१॥ उनकवसकनिया. हम
सखि॥ रलि. नहिजावय. भवीजानक. साथहु॥ कवस. प्रसक. मिलाहम. कहु॥
चवणक. दासिराउ. रुयीय. दषिय॥२॥झ॥५७॥ ॥रागकल्याण॥ त्रि
ध्रुताल॥ प्रहजिउमाव. घाटसस. उानालखकान॥ध्रु॥ उासकल्लमदाः
निघाटनषाय. पवदगमालन. मूर्विनउ वायन॥१॥ मिश्रसग्रमया. लि
ख्वामेश्छनि॥ सहवमथूनायो. हिउख्वालनकल्यास्थइ. हूलपसलन. लिंहो
मउासाउाख्य॥ कपगन. लागन. राउादासिनि. यागन॥२॥झ॥५८॥ ॥

रागरेवव॥ प्रताल॥ हउतविश्वनाथका. रायी. चलिकालापूरी॥ध्रु॥ उन
ववाहिनि. रागीवर्थीगंगाजी॥ नहायन. पापनवि. मलिछुनीजायी॥१॥ स
वर्रय. दखजाग्य. दूवजाना. चाहिय॥ दासराउ. गीतगाय. दूनामिलिजा:
यी॥२॥झ॥५९॥ ॥रागरेवव॥ प्रताल॥ जयजगंनाथस्वामी. दयाक
पान. याहुन॥ध्रु॥ जगतउधावयाक. नामकृष्ण. गुरुद्रा. साक्षन्ववगानका
स्य. दवगनविउा॥१॥ सवनसदानप्रद. सवायायहुयके॥ राउादासया
मनपूर. याुयमाउा॥२॥झ॥६०॥ ॥रागवहाग॥ ॥हायहावेमा
क. काहुजनदी. ववथकी. वविदवी॥ दषादूषमवीहवी॥ध्रु॥ कवमक. हा
विन्नायी. नायकव. हममागत॥ दवदिक. जिवन. ऋकानथ. हमवीकिहयी
॥१॥ पतितक. पनीउही. नाखसवम. हमावक॥ कहयराउाके. कउ[illegible]

कनउमदी ॥२॥卐॥६१॥ ॥यहांगनाग॥ ॥जायरुनि वायकंमनहस्त
ती जिविननि ठंकहवि साउमालां मलहवी॥ध्रु॥ऋनथनउानिमइस्यामग
नछन लायिन कपमन लामन जिउछिठइलथनिहवि॥१॥छिनजिमथनि
वियधकसलताउगल वचीथिक नानेनयात जिउानप मलात हवि॥२॥म
नविय गुलिखउा सानविंथउायाउान कष्टहन लामन राउोदासथनि
छिनहवी॥३॥卐॥६२॥ ॥नागसानथ॥ ॥रीमलन दुक्रोधिनस्य
क्रोधकी ऋतिरीमसन॥ध्रु॥वाहाकउोनक मानगदा जोगक मानगदि
य गिविमूर्छासे लागपग कनदखकन रीमसन क्रोधकी दुक्रोधनमानी
॥१॥धानकसोनक गर्जग किना इकादन वालग कन दुष्टकमान लाकः
हर्षरथ पाणुवक हस्तिनाइन राजहयी कष्टसाहपायी॥२॥दषकला

कक षूसीकवया धर्मक राजक हायी धर्मकियाक लाकसवदष दास
राउापूकावन पाणुवक गुणउसमायी॥३॥卐॥६३॥ ॥नागसानथ
॥ ॥पानकनामराजक दषमीलंका धूममचायी॥ध्रु॥वालग उंकान
हनूमांकन्ना लंकाकजागक पूग लंकाउ लायक जाकि कषवर्लिय नामः
जीकहनूमान ऋक्षकी सुनीनाम क्रोधकी॥१॥वाल्लक जातिक लक्ष्मन्ना
य अमिमघनाथ दुष्टकी दानासवक वानरमानती कुम्हकर्ण्ण मायजा
य नामधनूखयवी तीवमावी॥२॥कुम्हकनन सीनकवध्य वानक वक्ष
कदखाकानेनाकक वानरसानय नामवानखयेवीमावी कुम्हकर्ण्ण
छारुयगिखि॥३॥लामन कवउान लियक मन वानरवक्षक मन कुम्ह
कर्ण्णक मावी धावकिय षषनन नावनक छानिजालि क्रोधकिय न्नायी

॥४॥ आवकरुधक नामसुगान नावन वकुगलन दुष्टनावन वानवमानइ
लिय नामनानावानमानी दमगिन बीसरुआगिनी॥५॥ रुनकउपज मीम
रुजक नावनरुनकवन रुविर्ष्कर पगउनमान प्रकुमतीनमानी थ
नरुति मूर्छालिय गिनी॥६॥ दमन रुयिकगलिकवन रुनक नावनरु
म मीमरुआक वानमान दिय नामनीनरुलिसानी दमनीमगिनीदुष्ट
मनी॥७॥ त्रैलाक दवक प्रकाव कन श्रीनामकजयजयरे विरीक्षन
कनाजदिय रुनी सीतानामलक्ष मन नूआक्षाक नाय रोडाकरु॥८॥
॥फ॥६४॥ ॥नागनंदना॥ ॥वननस दानसवन कालिका॥क॥
त्रिभुवनस छिउउन पवकाम देयदकास्याक छिन॥१॥ त्रैलाकसछि
विनानमइ आस पापिदकायानाससउ धान॥२॥ दवियादास राउ नवि

नतियाग्व रुक्षन मुखकालिन॥३॥फ॥६५॥ ॥नागनट॥ ॥जग
नसरुउमनाषनिहाना बालमकुन्दकनूनामय॥१॥ लूतीलाल रुमान
किमाखन॥क॥ नन्दकलाल रुआ ग्वालकप्राण वाहियमूवलिय खाः
यिय॥२॥ मतियादरुआ रुनदिनकर्ल्यायी दासरुमानी राउनाखिय॥
॥३॥फ॥६६॥ ॥नागजयजमकी॥ ॥रुगवनिन स्यामानमूरु
वदक मालाउ॥क॥ देखखलकया शक्रदु वल्लाराचाड वीनमूति
छाक वदनमूषन मूलनमाचकुन मुरुनिमुरुक स्यादक्राधनचाडन
जयवलि दासराउ आउउधावरुवानि॥१॥फ॥६७॥ ॥नागज
यजमकि॥ ॥विघ्ननिछिनजितरु मूरुयवदानकाली॥क॥ मखन
थमनवनलाछिउजिन रुजिविनमिमाये दालखसाउनकपानरुवा

निह॥ मनछिन कहनान सुदक्षिन साहुन सुनिकाली दास राजा यामन पूरन
याकून ॥१॥ फ॥६८॥ ॥रागसूर्वि॥ ॥मागनन्नाय माधवघन॥ ध्रु॥
दवीद्र हमब्राह्मन दनी दनन्नायी प्रियप्रथलहि खोमागन ॥१॥ सुदामाकय
दखनकृष्ण चलिन्नायी पलंगमद्यपथ्यी लजाय ॥२॥ पैषाकि वहलदाला
य फनसुदामाकी मूतियाली मूथिकृष्ण कोय ॥३॥ विदाकि वलतानन क
छनहि दयी रुविदषि कछुन कहिजाय ॥४॥ अपनी आपनीनही सुवर्ण
पूनी ब्राह्मणीआपकवलयोगय ॥५॥ प्रदकी महबहाले सुदामाघरी
दास राजासुनतनहीय ॥६॥ फ॥६९॥ ॥रागसूर्वि॥ ॥माधवया
न स्वानछाजान ॥ध्रु॥ चवलि जीलस्वान गुणगउहलजिहलछाय॥
स्वानछाय ॥१॥ उलाप गुणकथन गुणमकस्वा गुणगउहलजिहलछाय

२ क स्वाकलिनथ्यी सिषसकसुगिल
नछाय ॥१॥

॥२॥ वृन्दावनस राजाक धयधनस्वान हुकमहन सकलछाय ॥३॥ दा
स राजान स्वायन हुकनस थ्यन लक्षमनिस्वानकायाछाल ॥३॥ फ॥७०
॥ ॥रागकूमन॥ ॥कालिकाहवर्ण पवध्यान मजा॥ध्रु॥ पवीज
ननी मवी सर्वधेनिवाहिया हमस्वान [illegible] ॥१॥ दास राजादूका
य त्रिभुवनमानिनि सुदानिजगनमा [illegible] ॥१॥ ॥रागकूमन
॥ ॥मायियाजगन [illegible] वासिनी छिनालस्व लेपि
जिन मालदुखयासमूहमाभया ॥१॥ [illegible] नोनथ पूवनदवि
याकून छिविनानमहू [illegible] ॥२॥ फ॥ ॥रागधनाश्री॥
॥ ॥मदनमोहनमाहनमोहनी॥ध्रु॥ [illegible] नमिनामक
मूकी कयह ॥१॥ धूपदीप [illegible] हूल [illegible]

२ म

कलीज कहत [illegible] ॥ [illegible] धमाश्री ॥ [illegible]
यह यन्त्रावति माधव [illegible] पदीप नैवेद्य ॥१
॥ वृन्दावन रुम [illegible] श्रीधर मदनम
नाह [illegible] ॥ चौताल ॥ माहन
[illegible] ॥ दधिजात [illegible]
लिति वली [illegible] ॥ वृन्दावन [illegible]
मिलि विनति कीसवे [illegible] ॥ ५ ॥ ॥ चौ
कादना ॥ चौताल ॥ [illegible] नहि वाह
न ॥ ध्रु ॥ घान जान उम [illegible] बाटक [illegible] ॥ लोक
उमन ॥ १ ॥ राजा पासिक [illegible] पासिक [illegible] ॥ श्रीक

राजा [illegible] श्रीकृष्ण विनान मवमइ साजासिता ॥ ३ ॥ ध्रु ॥ १०८ ॥
उस [illegible] ॥ राग ॥ काफि ॥ चर्ति ॥ राजा राम धनू की धात्रीहा सी
गेह कमन लगयी ॥ ध्रु ॥ कहीजानकि हरन कवि लगयी धूरत
आजन हित तत पूछन सकल जग केवल मन इन कोधेकि
लिय ॥ १ ॥ सन हु राम धवन मिलि जनदि चलत जोजात मिल
गि करु यदास राजा नामक इन जन वश गिनहि ॥ २ ॥ ध्रु ॥
१०८ ॥ उस ॥ ॥ राग ॥ काफि ॥ चर्ति ॥ नूगल जी पल सुख
लिस्वजा मूमूलि वथान स्यात ॥ ध्रु ॥ कि देयास इ दस जिन

ग रावन मनह न कलचि हुपुर चिपचि जि गनल मनीआ
कानू जि लाय लायकिआ ॥१॥ जिगू लोहा मि थिगल सि स्याआ
न नूगल मचि स्वापुर चि विनानमइ आस जित है कानू नूग
ल लोहा मिआ ॥२॥ जिआ आन पूरुष है कनूहा मिआ मरुत जिन
संहयापुर दासि लआया मन चिके उत्र ६६ स्वामीन विति जिगू
॥३॥ फ ॥१०२॥ ओह ॥ ॥ राग ॥ वैतसोनी ॥ प्रता ॥ मायीभजिथ
घत २ इव कु मातनी माही मायाया बुति तथि साकतानि रुआनी
सकनि तसक इर्ष हनन कन रगवनिह दहादनसन उआ दास

६ राग कलयन ॥१॥ ॥११०॥ फ ॥ ओह ॥ ॥ राग ॥ वैतसोनी ॥
प्रता ॥ रमपियनी लायक २ आन दं स्यामचि खाखापुला धाआ
इनी छाउ इनिवानाही सुधन स्यामआन सबसमद गू विनति
याह दासि लआया उत्र आया ६६ इव जि गू ॥१॥ फ ॥१११॥ ओह
राग ॥ बहागवा ॥ पूरबी ॥ विनहिनि पूरबीन पियास रानाही
न ॥ फ ॥ सानवनसह्य उरुमनोपनदस्य भजाइ नशोय पि
यान स्वादसाआन इन कवही विथीनयायन हमना जोरुन
स्वायी ॥१॥ सा अवहमसहनहनाहीनहि जाह इति आयमनका

तिन कोन का मक जउ रनकी व ना यदि देया हम ना पूरूष ना
ही ॥२॥ साउ ता निदनहि खान रु खान हि मन घन मा नहि न
आयन कोमका विन जिय रुषत जाता चियान ही मीलन हम
मन ली ॥३॥ साप्रत हम नक कंथ नक मक मिल कवस्य बुजि
साउ नक दासि रु उ कोषरु रुनित नाही आन मनि विछुन म
तिहा उहि ॥४॥ ॥ ॥११२॥ ॥ ॥

स वनज याउ उल स क सन याक क सउ घन ईकि क या मन्ख
निन लाल लज्जा ए लय ऋया ॥ कन अति ग्यान अष अति यातन
दुष्ट ज्ञापा छन सजन याक ए उ दास योद्धन लय लपि वे कूं थना
थ छिन जिउ धान याउ ॥ १ ॥ ऋ ॥ ११ ॥ गुरु ४ ॥ ॥ राग ॥ ६ मे ॥
चौताल ॥ नीवाहा अपनक ए यी काहिन साथक नाम सुमिन सली
मति उहि लाउ मा ॥ ध्रु ॥ काक छ कहय नमानि उह लाक कलाक
क जतीस तीथ मीहा कुर्ति धन ॥ लाक नाजक सीसान माया
सयनक दास ए उ कहय सन्नासन जना किश्य पद वूम सा

धूकर्म ॥ १ ॥ ऋ ॥ ११ ॥ गुरु ४ ॥ ॥ राग ॥ वसंक ॥ लजीता ॥ स
खी जाहाउ क वस स्वान थ नूउ स्वान लूदय नूउ ॥ ध्रु ॥ अति
न स्वाक स्वान गूलाल एति अपोल जीत वीमाल स्वाहय स्वान
स्वाक या स्वाक कय जिन सस चित नूआउ ॥ १ ॥ अति वे लाक ला
हान छाक नूग ल स्याक कल जिसाउ जिन ग घाल स्याक या उम
स छ गूलि ह किउ नूग म नाउ ॥ २ ॥ अति वे धाक काम वलाक
सहय याय मेरु जीन उ धाल हू सबि स्याम याथ स ए उ दासि
निया विनति याउ ॥ ३ ॥ ऋ ॥ ११ ॥ गुरु ४ ॥ ॥ राग ॥ वसंक ॥ ल

अंता ॥ नासिक बान नस सयान कान जिभान लायउमन ॥ ध्रु ॥ वच
न हीन जिभास दान बानि आयान पूरुष कीन पस पूनान रूपान
यान मूद सतलन नसब कन ॥ १ ॥ म्ल लभान नकल कीन चक्षि
क्षि कीन नतिन सन कामकलान यायउमन मनस हनब किंकउ
ध्यान ॥ २ ॥ गूलित जीन क्षाय क्षि गन लूमनि आन षुउ खायन खा
विवालन खूसिक्षागन लभान इषन क्षागन पान ॥ ३ ॥ ध्रु ॥ १ ॥ ५
रु४ ॥ राग ॥ धनासी ॥ चौताल ॥ मायीह उरुपन सन नाहि कव
हनदषकं मक जगदंबि निवाहा ॥ ध्रु ॥ जागी निभ न सन नली
ने लि

ज धाजान आजन उधान दिह उ ध्रु जय पूकारि ॥ जाग माया
सकनी मध्वनी दवी दास लाज कहह भय पान की ध्रु पूरु
चरन ताह थ्रु नानी ॥ १ ॥ ध्रु ॥ ११२ ॥ गुरु४ ॥ राग ॥ बसीक
प्रताल ॥ चलि सषि हाली कं खलत माहन लालसा ॥ ध्रु ॥ दषत
२ मगनहा अविरलासि उनाउय लालसा ॥ १ ॥ एवत २ पि
चकाश हमप कीनी उलट भनि लालसा ॥ २ ॥ कंठ भि कं कम घू
तिल्याहा अन चुआदि मुखयनी लालको ॥ ३ ॥ माधव प्रसन चन
न को लाउ दासिनि पूकनति आसा ॥ ४ ॥ ध्रु ॥ १२० ॥ गुरु ॥

स्वाग ॥ वसीक हारि पताल ॥ हास रंग आवल हस खि कानूया
कामरंभ ॥ ६ ॥ जीसन २ कानूलोता इग वानाहि यथ यथः
क्षि मरंभ ॥ १ ॥ पानस मानस कानूजी न्वा बूआ कूयल भूवि न
न्ध्य रंभ ॥ २ ॥ घसपूर २ थि थि आन्वा लूवाला लूग रंगायक
काथ रंभ ॥ ३ ॥ चंचल २ मीखाकस्य कामक लास डानमनजी
नसा ॥ ४ ॥ ॥ २२१ ॥ ७ ए ४ ॥ ॥ राग ॥ आसावरि ॥ अस्टी ॥ ६
हन ग्यानिपिंक २ ध्यानजपतप यायथास नपालस दका
दवचाठ ॥ ६ ॥ जगगजन निरवानि दविराज इस्यचाठ

ध्वजादविह सयध्वकाटि दव मनाडा चाठथास नपालस
ह ॥ १ ॥ वुजूजागिनी जागिनि गरकाटिन लीतकाडा विश्वकहं
गरकालिनि गरकाटि जाग्नीसहिगहनवन ह ॥ २ ॥ यगरि जग
गस नानि दविक्किन गरकाटि जागिनिलितहं पापिदकसजा
सक्किकस जगत उध्धरयाडाह ॥ ३ ॥ गरलहासजू विनायक
कगस वायज्ञास गणपतिह वुकवानाहि दरिवालिकाकि
पूल वागस्तवह ॥ ४ ॥ नक्कातस्वूनव विक्कवि दविनस्कं
यागलखलपूह ॥ ध्यगूदिगस नानायस्यास ध्यागूदिग मोहा

१ विष्णुमान

दवहु ॥ ७ ॥ मल्लिनाथ स्वामी नाथ जगनाथ अरिष्टनाथ मिन
नाथहु वासुपूज्य तिरथ सुयसोकाहि तिरथ निपाल ॥ ६ ॥ उज
यार्गा उज्जैन कासि उज गयो अमदावति मातीथहु सयनति
थ भाइ तिरथ मालहु य साउ पासाहु ॥ ८ ॥ थूलियादथूव
गुपति वालसखि छंद थूपूर्व लध हमिहु लाडादासन ज्ञान
हरून पसूपति गति विडाहु ॥ ८ ॥ ॥ ॥

सिंहुन ॥ ध्रु ॥ अहगुनि गनहन इख मिल थउ अन हठ जि विनती:
छीन भव मइ छि विनान ॥ १ ॥ लोक दक सकस्यन हलु काउ याउ:
यन मजियउ थउ सन दयु मबु थनि जीन ॥ २ ॥ अस्वेत उ हसउ
न याठ गुलि मसि धून मरीठ गु विपतिन कलजीत धु गुवंन ॥ ३ ॥
ज्ञानगन उनगन वानथस मइ जीन कठउ उ यीसनेन मरीठ
उखवन ॥ ४ ॥ रलपग झ यावन लियन स मलाकन याय थम
मसलन खावि उउ उ उ यन ॥ ५ ॥ ध्रुहगुनि स सायन उ सहनि
ध्रुषन यायि छंत उ धानन विंति ध्रु याधानन ॥ ७ ॥ रउ दा

स विनहन पिवायउ मन हल लाक सजि गथ हुन लय थम ल
यीचीन ॥ ८ ॥ झ ॥ १२४ ॥ गुरु ॥ ॥ राग ॥ कान ॥ धुरी ॥ रेनवरुय
हुनकीउ छि विनान मइ थ लिम छि इख ईजी लस्वल यि छीन ॥
ध्रु ॥ पचिल स विग्राकन रयिनवन सदन सकलन जागिनिन लि
तकाउ थउ चान ॥ १ ॥ जगतस कलछीन उ धानेन याउ थन रा
उ दास छि गुगुन झायमहु अहानन ॥ २ ॥ झ ॥ १२५ ॥ गुरु ४ ॥
राग ॥ आदना ॥ धुरी ॥ रजमन नाम कु गुन गाउ न ॥ ध्रु ॥ नाम
दिनक छिनमति छान उम श्रीनाम नाम जपन ॥ १ ॥ नामन छ

सुखमनी

ह्न.रुत्रथसउत्रगन्न.दशरथ.सुतकहाय॥२॥दास राजाकेप्रस
नामपत्रसन.हाजाय.जवमीलेन॥ ३॥ झ॥१२उ॥गुरु४॥ ॥
रुराग॥काला॥चति॥ काहिनपूछ.त्र.हमकय.दरवामाहामायी
॥ छ॥कतनकयूकात्र.वालगनाहिन.केसमकेनित्रदयी॥ १॥
कतमत्रदुखक.दषतरुवानि.केसत्रहु.हमइखी॥२॥कतकह.
विंतिक.सुनित.नाहिन.केसयताहुसेमिली॥ ३॥कतनकउधा
त्र.जगतउसन.केसयसकउधानही॥ ४॥कतम्वक.लागक.पात
कछुताडा.जेस्यचाहतेसकत्री॥ ५॥कहयराजादासक.सुनहज

ननी.तेलाककतानीउही॥ उ॥झ॥१२उ॥गुरु४॥ ॥राग
धनाश्री॥त्रर्तिताल॥ श्रीरतिराजा.राथि.प्रलक.पत्रेवक्रवय
कूथनाथविराज॥ छ॥ पहिल.अवतार.मकरूपहाय.संषासु
रकयमार॥१॥इसत्र.अवतार.कूरुरूपहाय.जलकउपवयरथ
॥२॥तिसत्र.अवतार.वराहरूपहाय.पिथिदातकउपरख॥३॥
वउत्थअवतार.नरसिंहहाय.हिरन्यकपतरात्र॥४॥पंचमअ
तार.वाषानरूपहाय.वलिकछलउकत्र॥ ५॥खस्कमअवतारप
रसरामहाय.कतीकनिकतिकत्र॥ ६॥सकमअवतार.श्रीराम

ऊीहाय नाउान कूरुकर्षुमाग ॥ ७ ॥ अस्तम अवतार बलरुद्र हाय
जगतक दाता नाम ॥ ८ ॥ नउामैंक अवतार जगनाथ हाय पतितउ
धारैं नाह ॥ ९ ॥ दशम अवतार कलीकिल्ल हाय दुष्टलोक सबको
नाश ॥ १० ॥ कहराउ दास सुनो सबको हि आनति दशो अवतारके
॥ ११ ॥ ॥ १२८ ॥ उरुत ॥ ॥ रोग ॥ आसावलि ॥ पुना ॥ पानी का विना
कछु हुनि नहि पुरु पानी ॥ ध्रु ॥ १० महिना की गर्भमनी रयी दष
त मैं घउमन्हि उमहा मघ राज के स्थन हि वरस धरति हुति हुती
गयी ॥ १ ॥ बालन लागा कि नहि बालिका ही पानि कि छुधा मकरा

कि त हि धारि ना

गी वरसा मघ पानि पानि विनु विलाने हुमतावच्य गिनाही ॥ २ ॥
दरव वन वेलि सुखि सब गयी काहुक वरसत नही बूदा वरसति
छाति छाति पर्वत उमहा कर्थ वरि रयी ॥ ३ ॥ ज्यो कि नि किथ
ना मिंदू मकु बाल नाउान पानि पानि मागी मरु ना कहुयकी का
यलिउ पुकारा दयगा जगतक पानि ॥ ४ ॥ वृक्ष रुलहाहि आप व
ल इमनी कनऊ वरहन चिउनी कूतरुल कारुल कूंडु खीन्या रुनसा
वडूत मउ भवन नही ॥ ५ ॥ कउाल कउाना कूंडु कउाल के मागत
दयि कूंडयानि चंवलि वनचलि मालति फूल फूली लयहाकु

ष्ठ कवधायी, अनुमाजीजाकी, अभानउदहा, साहबजगतक
सोही, कहराजादासकपरह, अनुमानांसुनहा, अर्थमननाः
ही॥ त॥ फु॥ १२९॥ गुरु४॥ ॥ राग॥ रामकलि॥ अर्हा॥ सिताना
मनछम, केयेवनवासजायी॥ ध्रु॥ जाकीरामनछमनतिः
नावनवासरुजी, राजरुथकदयी, तिनावत्रमागिलयी॥१॥
कूवूजाकि, कहिमानी, सुनाउमक केनानी, ताहुपरह दहानथ,
तिवेत, कवूलखी॥२॥ केलककि, दिनहायी, राजनाम, कवद
यी, रामकसाजाकहायी, उर्थसउगैदायी॥३॥ नहियहि, क

र्मभनी, सुननकूवूजाउही, वयकूंथ, नाथजाही, अवतात, रामल
यी॥४॥ कउनउ, सिषलायी, इर्मति कूवूजाउही, पत्रेवक्षजाह
हनी, कंचाकनि, सवकनी॥५॥ सुनमति, विंतिनानी, मतिरुलीउ
मह्लानी, हीनिमति, पछुतायी, राजरुथकदयी॥६॥ तिनवत
पायनाखी, कउनकं, कोतमागी, अपनक, पूतकनी, राज, अाज
मतिचूकी॥७॥ हुनीहुनीकीनगती, हमनक, देवलगी, कूवूजा
उमतिनही, मतिदन, वानउही॥८॥ सुनितत, मतिकाती, रुति
रुतिजातिदखी, मतिजाल, जाकीराम, नछमन, वालजती॥

॥९॥ उहि कहि नहि सुनि कान भरत सहु नही करथा नकु वच
नी कुबुजाउ कुतघनी ॥१०॥ नानि उम कैसि सुली बुद्धि नहि
नानि जानी नाजु रुनथ कहायी लाक सब ताह मानी ॥११॥ कुबु
जाउ सिखलायी सब मानि हम कनी कउ न जतन कियी ना
जरुनथ कपायी ॥१२॥ कथ नि कु आय नही कउ भरत बुधन क
नी नाजा दशीनथ आयी कबुस्यकु उभरत बाली ॥१३॥ तिनवन
मागिलयी सिता राम नछमन वन पासाक लगायी तिनवन
वास जोयी ॥१४॥ तिनावन वास रुजी रुनथ क नाजदहा

यतनक नहि कियी हम प्रान घात कनी ॥१५॥ कतनक बुस
यगि उमन हि कछु मानी वचन क साचहायी उमसब कनि
दयी ॥१६॥ कथ नि के कैकेनी कउ भर्म्ब कनि नही नाजाद
हा नथ आयी कउ भरत क बालिनाहि ॥१७॥ तिनावाचा दहाम
की कउ भर्जव बालिदयी तिनावाचा कनिलियी कउ भरत क बा
लिदियी ॥१८॥ वनहम पायनबी तिनाहम आजरयी कहाप
य हम दयी उमचाह ब्यहि मागी ॥१९॥ ब्यहि वन हम मागी र
नथ क नाजदहा सीता राम नछमन तिनावन वास रुजा ॥२०॥

॥ कैसेउम उहि मागी कौन नाथि हिगनही जगतक पुरुजाही
उनव न वासरुजी ॥ २१ ॥ अउ उहि वाह मागी नहि हुनि हुनि
हाथी जा की राम न छमन जाहि भनि पोनन ही ॥ २२ ॥ कछुन
हि हम चाहि जा हि मागि ब्रह्मि लयी पुरु उम न हिदयी भनि पा
न त्याग कनी ॥ २३ ॥ राम राम भनि पुरु कै सिवन हम रुजी जा
न किम त्रिवइनी न छमन वालपुरु ॥ २४ ॥ हनि हनि देवल
गी कउ नक नम मनी भनि साव कै सिन ही हाय देव हनि हनि ॥
॥ २५ ॥ नाजस व उम लयी नाम वन न हि रुजी हम उम क

विनती कनि सुनि उहि मानी ॥ २६ ॥ पुरु कय साचन हि हम
मागि ब्रह्मि मिली पुरु कै साचन हाथी हम प्रान त्याग कनी ॥ २७ ॥
हाय हाय हनि हनि कथिन कै इख मनी हाय हाय हनि हनि क
र्म गयि भनि हुनी ॥ २८ ॥ हाय सीता राम राम हाय हाय न छम
मन कै सहम विमुक्ति जाय हाय राम मनी ॥ २९ ॥ हम कहि
न हि जायी हाय हाय राम राम द [illegible] थ नायि ना [illegible] नेहि मुक्या
हा यि गयी ॥ ३० ॥ सुनी मन राम गयी पियावनि विषाद की वि
षाद पितान कनी कउन विपति रुयी ॥ ३१ ॥ राम कहि वाली सु

नी, राजादशरथउथी, हायहाय, रामकही, रामखद, रविलियी.
॥३२॥ पिता रा० रा० दरवी, आसपूछि, पूछिकनी, मतिपिता.
कुमरा०, कहासव, वातसुनी॥३३॥ रामनाम, रामनाम, कहिक
हि, मूर्छालियी, पितामूर्छालियी दरवी रामवसतत रही॥३४॥
रुविवित कविउथी, हायरामरामकही, आरगतीनवरदयी:
रविवरनिनमागी॥३५॥ पिनावन, विकलकी, सुनितत सहना:
ही, जाकिरामरछमन, वनवास, एजिदहा॥३६॥ यतनिकहय
रायी, रामकहकहरायी, मतिरायी, पितामरी, हमवन, वासजा:

यी॥३७॥ पिताविषादनकरी, रथधरे, राजदशा, पिनावन, वा
सजायी, विदादशा, पितामरी॥३८॥ रामकेवचनसुनी, दशरथमू
र्छालियी, सुनीतकसुल्याआयी, पलमूर्छालियदरवी॥३९॥ हरि
हरी, हरिहरि, कउनकेनसमरी, छातिथकिथकिरायी, कस:
ल्यामूर्छाहागयी॥४०॥ सुनीकरसीताआयी, सासुकेवसायिर
ही, रछमन, आयकहि, मातापिता, मतिरायी॥४१॥ सुनोमाता
पिताइनसाचरहि, सवसीली, वचनसप्रीतिरही, वचनसभूख
रही॥४२॥ वचनसबंधुसर्ज, छजाविउ, हिरनही, विनावचका

हिनही सवसावधनधरी ॥४३॥ जाकी नाम लछमन हमकेसिछा
नदयी दशरथ कसल्या की प्रानिकलकजायी ॥४४॥ सवलाः
क कहिनही इवहिएयीकेकयी अधर्म्मकनमकीयी कथ्था
नकछातिरी ॥४५॥ सवनाजहुहिलयी रघुथकनाजदयी
सीतानामलछमन मतिवनवासएजी ॥४६॥ यहिकर्मनिना
हीचीदालकनमयही मतिकनिनानिउही लाककक हनुमानी
॥४७॥ कछुनहि हममानी तिनावलआहिमागी नाजवननहिद

यी हसपानपातकरी ॥४८॥ सवकहि हानमानी कंकेनानिनहि
वूपी सवलाक नाशीनही नामजानतयानकी ॥४९॥ हायनामना
मकही लाकसवनायी दषी सीतानामलछमन लाक सवकवसा
यी ॥५०॥ मतिलाग्गी लाकसवहमहिनिजदिआयी सव लाक
नहषूनी कछुनहि हिकी लियी ॥५१॥ नाजादशरथवाली नाम
केसे हमएजी हायनामनामकही लायीमत्रिप्रानजायी ॥५२॥
सुनवचनहमानी प्रीयहुमवृद्धिमानी रघथकनाजदयी नामव
ननहिएजी ॥५३॥ तिनावननहिछानी प्रलमनीप्रथनहीप्रल

अथहायतारी हमकछुनहिछाती ॥ ७४ ॥ सीतारामलछमनवनपासाग्ल:
गाजायी राजरुनथकेदहा ताहसाबजुवनही ॥ ७७ ॥ यहिवचनकिसुनी
सीतारामलछमनदनवानस्थनिकली वनवासजानलगी ॥ ७६ ॥ सिता रा
मलछमनवनपासाकयेकुली दखिलोकसवनायीहायरामपूकानती:
॥ ७७ ॥ दहानथकसल्याकीमूछीरुयिइनत्रही सीतारामलछमनसि
नाउत्थविदामागी ॥ ७८ ॥ मातायिताडुसेकरी तिनावनवासचली हा
थलिधनूकतीनचलनछमनरायी ॥ ७९ ॥ लोकसव सगगयी राम
सवकवूमायी लोकसव हिरिभूयी नाथूनाथूकलपती ॥ ७० ॥ रुनथस

रावक व

नतभूयी अपनमाताकमारी विनामारनहिछाती चीदानिकनम
तनी ॥ ६१ ॥ पूजतनिराजरुयी उमकाकानकनी राजमकनहिचाही
धिकानतनिजिनगी ॥ ६२ ॥ कमडहीनहिकनी मातातनिकवहिनी अ
धर्ममूनतिउही पापकिगथनिदखी ॥ ६३ ॥ जाहारामताहागयी रुन
थनाजुनलियी सीतारामलछमन उनसाथहमजायी ॥ ६४ ॥ रुनथ
जायकमिली जाताराम कहगयी मिलमैंगमाफिकियी हमकूछ
वूमिनही ॥ ६५ ॥ रुनथविखादकियी नाथूनाथूविनतिकी जाताउ
मतिजायी मनिभूजिउममानी ॥ ६६ ॥ मनकमैयहिलखीवन

किरिकअ·स नरिअ अ अ मे

वास तिनाजायी रघिरुनथ उठीनी जाउ नाज कसमाती ॥६८॥ नहि
आता हमरीनी जाउ नाम तहि नही कउंव कतमनी कैसि नाज थम
मी जायी ॥६९॥ वलउंम हमहुयी आति अूरथ किसवी यहि वलउ
महायी काहि उमन हिसकी ॥६९॥ हम नाज नहि कमी आता संगहमे
जायी सीता रामन कुमन कंगति हमन हायी ॥७०॥ चाना वनवास जा
यी चानाकंदमूल खायी चानाफल मूल खायी चाना संग चलिजायी
॥७१॥ सुनाहुनथ उमहि कंदी नाज नहि छाती नाज उमसमा नही
तिनाहमवनजायी ॥७२॥ नकुमन नाज कनी हमआता संगजायी

हमहि तिनहि जायी रघुनथ नीयी विति की ॥७३॥ नकुमन साथ जायी
मनी संग आहि नही उमजाउ घन रानी मति विखाद उकनी ॥७४॥
नाम मंदकहमही कैस्य नाज यन वेथी आता नाम कयगकी यआष
नाउ मकंद ॥७५॥ कथ पाउ लियजायी रघुनथ उम हा ग्यानी मनी आ
ति अूरथ की सव वल उम दियी ॥७६॥ नाज निकिमति छानी पवना
नि सुनकनी नन मा घ्रनेविचली सावधान हुन चाही ॥७७॥ अूपनेपूत
नयीत इनवना वनमानी सव वात कर्यु चाही सुनाहारु नथ लायी
॥७८॥ गेखाकन नच्चाकी हनी एकउम हायी रघिरुनथ उठीजायी

नाजसव सपनुही ॥७९॥ रवनाउलि स्वर्ग नही रनथ विदाहाजाउ नाम
[illegible] नी रनथ विदाहालगी ॥८०॥ सीमानाम नच्छमन लिनाकदे
[illegible] रनथ रिनकं आयी नाजदनवानपूगी ॥८१॥ नामकक
[illegible] लीहिंहासन उपनस्वी कथपाउ नामजानी सउपाकनी रा
थनही ॥८२॥ रनथ सवलाककी वूसा ॥ ४ गनकनी उहनाम
जादिहिनी चिंताकछूमनि मानी ॥८३॥ राउ कहुसुनो रनथसा
हवमनी कतइष मकहयी नामडहीं कवमीली ॥८४॥ कहयकरा
जादास सुनलाक सवकाही ॥ जानसवसपनी नामनामकजपनी

॥८५॥ ॥१३०॥ ॥उरु४॥ ॥राग॥ वलाली ॥ताल॥ रुद्रवीकर्म
की लाषि ॥ निहायी वूधहागयीस्यनही दनकनी पकुता हम्चना
मानी ॥१॥ जादीन मागत तादिन नादरम्ध जवात डीक्रुजीदीन
दीनदीन आयल कछुन कहत दवलाक सवआयी ॥१॥ धउनरा
गक मालिली काधक रसमअंगलिपि वरध दीगवन दवनजि
सवहाथलि सिलमउक जताधानी ॥२॥ कउन रम्भतन कउन
मापन कउन जात कुंकहु माथी वाषनाहिन रम्भतन नाहिनेनी
नेजन शिवजागी ॥३॥ काउन कुकछु जकक रम्भतन सीकनसदा

सिवजाह दवीकहीसनल मावापरखूएल सानादाव नाचेलाजी
॥ ४ ॥ नसिसकाति दववेथ्य ऊग्वक नाछात मंगल गितगाय्य
दधूनिकनत गंधर्व नाचत नाना वाद्य वजाल्यायी ॥ ७ ॥ कल
कत्रितक सवक कनत नजानिजइपति लाज यकयक लि
तक कनत लाजकी हसिकनी सववैथी ॥ ७ ॥ कनम सवरैके
न्याकदानकी पुकारे जय उमापत मंगलजाजा हर्षकव
धायी ॥ ८ ॥ छाकी दान दीपून्यकेली ॥ ८ ॥ गीनीनेदीनिक दासल

जाकन दासक दासकनएजा ॥ राजादास कहय सेकनि गहकिजा
यहम पूसिचली ॥ ८ ॥ ६ ॥ १३१ ॥ ७ ८ ॥ ॥ राग ॥ वलाली ॥ प्रता ॥
६ नाक जलली माती धात्री नाघी सन क गहना नत्नेनके माला
मउक मनीकनायी ॥ ६ ॥ वादना साखीक वृतिदी मानीक किना
नी पैत्ता जली ॥ ७ ॥ आचल नन्दवू तारु नी केयल दवीकय
सानीय ॥ १ ॥ दायता जनीक वालीया तासक रुनीक नजा
नत्नेजली वारुवन्द कनाकचूलिक सहल नजागिनी सवय
॥ २ ॥ जातिक कूदल रुनक कानक गलम्व सव माला रुनी

यक यक जातक पाडाक हाथक चूनी चूनी लीयपाछा ॥ ३ ॥ श्रीखंड क
स्तूरी कस्तुरी कुंकुम रोलाचन सिंधूर सवलोयी काजल सुलायी मोति
कलादिना तिगूलिम निकलीछा ॥ ४ ॥ पासाक कपना कयीक पता
नी एनका षजानेक एजी अनक जात कि गहना एनक सी इकव
हूतक एछा ॥ ५ ॥ कतन नथकी कतन छकनीषजाना लादिकल
एजी वनीवनी हाथिक वहूत थानाक सार्दी सूनाकय दीछा ॥ ६ ॥
वहूत रथजाक वहूत एसक वहूत गूलोन एएजी कतन पालकि
कतन दादि कि कतन चीजस छाकीछा ॥ ७ ॥ गीनी ना ऊकहि सून

हा कूछा तिहमसंक कूनहीयूगी सूनहा मालापि ताडुआ विषाद म
तिहा हमसव पाडाना ॥ ८ ॥ दविके दासलाडाकन चीजउ सछा
न एलिकनी चाहि कातिकाति विनति हमानन सूनह दविस्व
पदाहिंछा ॥ २ ॥ छा ॥ ३२ ॥ शुभ ॥ ॥ राग ॥ नाट ॥ ताल ॥ ध
नेधंन लाख्यमालदेवक पारवती विवाहकी ॥ १ ॥ तिस कातिद
वसव कछसेक निकेलास जायी ॥ २ ॥ मंगल गाजाय गंधव
नाचे जय जय उमा पती हा गयी सेकन हमह रंभन केलास
नाविमहव्यनी ॥ २ ॥ गीनी नाज वन लाख्यक नह उमामछ रंभा

प्रथम पत्रे ॥ छ ॥

नपायी सैकनि कदास लाडाक हक्ष सुन हाम लाक नानी ॥ ३ ॥ फ ॥
१३३ ॥ शुरु ४ ॥ ॥ राग ॥ आसाउरी ॥ वंश ॥ सुन उम सुन उम सु
नामा पिता स्वामी जगदाक आक्ष जगदी ध्यान ॥ फ ॥ आदि पू
रुष हाह आदिनाथ आक्ष । सीवरूप पुरुष अ सवरूप आक्ष ॥ १ ॥
सिसि थिसी सैहा आक्ष निनागुहा आक्ष । जगजोती रूप आक्ष ज
लरूप आक्ष ॥ २ ॥ आकाशरूप पह आक्ष वायुरूप आक्ष चंद्र सूर्य
जगाभरक्ष उन्य साक्ष ॥ ३ ॥ रात्रि काति दव हाह मुनीगन आक्ष ।
जीव आत्मा पृथ्वी आक्ष आग्य धवन आक्ष ॥ ४ ॥ शाला भूमि दाता हाह

कुला सर्का आक्ष । मग मर्क सर्का आक्ष सीसालक हाह ॥ ५ ॥ धन्य श
ग्य हुमा आक सुन दवी हाह । पुन जन्म की कलह उमवति पा आक्ष ॥
॥ ६ ॥ ख्वानिसे कव कह गीत्री नदी कक्ष सुन नन मुनी कक्ष जग
दीध्वनी आक्ष ॥ ७ ॥ दवी दास लाडाक आक्ष गह लके आस्य । दवी कहे गह
मक्ष लाडी हमन आक्ष ॥ ८ ॥ फ ॥ १३४ ॥ शुरु ४ ॥ ॥ राग ॥ रिंपनास ॥
प्रताल । मंगलगय कचली जगदीध्वनि कैलास वीराज ॥ फ ॥
रात्रि सकाति दवसव विंतिकिय सुन उमापती । सुन प्रनतन जन
नथ प्रलवन ध्वनी नाबीस्य ॥ १ ॥ मात पिता सविदा लाक गम किं
य कयी लास गयी । मंगल जाग नाह नष कके कैलास पुरम्य सैकनी ।

॥२॥ हनमन जागी निगनक इयगन कैलास एर्वी दवलाक सब वि
दाहागयी एवानी ठकैरवी नाउ ॥३॥ दवी के दास एउ कहु हमा
नक षउ लहु वानी जनम जनम उमान दास एद विथकु नानी हु
॥४॥ ॥१३उ॥ ॥१४॥ ॥राग॥ आसावरी॥ वंधा॥ हमन कपति
मति छनमति॥ ध्रु॥ जिपिउ कसा ध्यानाउ क्रि छिंचाहउ स्थ म
या जिनी धनी निर्यछ मिछ ध्यउ ह॥ १॥ इइ अपाइ असाछि दा
का काल स्वाध्य पासा जिन साछि छिंह दा काकाला ध्य॥ २॥ वल
एउ विउ धासा कुर्क वियमया मसहन छिला सास्य हयकाउ

॥१॥ ॥२॥ ॥३॥

लाना॥ ३॥ लिपत सदाकमइ एस्वायाय धूना वयपूयाउ कज्ञान
दयूमषू सोध्या॥ ४॥ थूलिमछिइष हला इषमर्वछना दास ए
उ यागइषकछनकाउ॥ ॥१॥ ॥१३उ॥ ॥१४॥ ॥राग॥ आ
सावरी॥ वंधा॥ हकछ पीरीति नामसमछीन॥ ध्रु॥ नामकछउ
मिछ्यसाउ उनध्याला। मतछीजी सीस वाय छ विति पासा
॥१॥ ग्वकूलस जिमि लग्वंनछी लानध्य। यका इइ धलि लूथ
यानानपायासा॥ २॥ ग्वकूलयामचादक मनायस्थ श्रीत सम
स्थ थंथ दाल सीमि मूसी पासा॥ ३॥ किपालून लिनहस्य दा

1 2 3

आर्यकालिस्या तिर्तिङ्स्य विस्यडानावन्याइनसासा॥ ४॥ ॥ ॥

कालया॥२॥नाम नाम रुका काडा लाल बन रुपासा सन मताधर्म
याइनी न नान कालया॥३॥हरीहरी थ निसियी धक न छीन मसि
या कृष्ण याल गी लाडा मयाडा जीजान कालया॥४॥राधा दास झा
क ६६ मनूर्ष रुया घात झा आस इ जिसती रुय रुसा मा लोका
लया॥ज॥झे॥१३ ९॥उरु४॥ ॥राग॥गम धन॥पताल॥ दनसन
जगनाथ किसनन॥छ॥वलरुद रुष्ण गुरुदास थर्क तिना थ
कुल दन्दब्र कर्त॥१॥अथ न क नाला चौकि कवे थर्त चौकि का
नाडा पलि उरभरी॥२॥सिह दन्ड डाप दा कूत्ता कर्त कृपा निनी

आनतीया॥छ॥मचा कथि पूडाया लथ कासरथ्थ तया पिन्या त
न लथ पीका छाया लथ इन सव गाया हनासन रुभडाया वाल छ
ष्ण रुभ्थ वच इया॥१॥छ कानन इलया उपदन मरिया साया
रुभथ पूजा रिन कया सूर्य साकाति दवया सहीसि कनूनाग या
ऊसादाया काय न क्षया॥२॥ग्वलरुसन पूया यन भूका ४ सायो
ऊ रुभ दान माला न मलूया हस्त नूपदयीन या गल पन ऊना तिया
पिथि व ताडाना स्याकहया॥३॥पूत नाडा लसाया षक्षाय छ म
रुया वाल षन इइ ताना सीया कष्ण दव भूव ताल धैन्य ग रुभ

जस्भदाया दासगउ झाकाथमाया ॥४॥ ऊ ॥१५०॥ गु ए४॥

१ राग ॥ आसावरी ॥ बंधा ॥ जस्वदान श्रीता बान कृष्णवृया काया ॥ तालसी
का वीस्वजान ग्वयालली स्वाया ॥ ध्रु ॥ चानयाउ बान बनो हुमास्तन ध्यया
उमहांबाका मिथ्यगुउ बनइन तया ॥ १ ॥ आइगति रम्भविंचइ नामउ
ती ताया मवभूवे ताल मबूनानायन इया ॥ २ ॥ मामं सिल बना विष्ण
मायाताकपूया मामयात छ्ल्यात कृष्णइया माया ॥ ३ ॥ झायमहूथ
लछीभूउथ स्यंझाया गतिमइभ्या गती नामकृष्णझाया ॥ ४ ॥ दास
गउ झाकइ६ कृष्णमन तया जगतउ धास्यायु यात कृष्णउ आया ॥

॥ ऊ ॥ ऊ ॥१५१॥ गु ए४॥ ॥ राग ॥ काहिं ॥ धमी ॥ पीयामती मिथि
वालि एवि नाती नहि भूसीनी सूनली ॥ ध्रु ॥ सखिनी सूनति स्यामकि
दषति मका नाज हनी नीसानी भूर्ग ॥ १ ॥ सखिनी हानी कि नेगकि
नाथलि मका घसानी घसी चूडालायी ॥ २ ॥ सखिनी चूडाउ पनदी
अविनी मका सिहनी लाली स्वकिकनी ॥ ३ ॥ सखिनी सिहकि कदाकि
नसकि मका कवही एली नाही गयी ॥ ४ ॥ सखिनी दासगउ कहि
चाहिणयका दउ गिमकृष्णनी ॥ ऊ ॥ ऊ ॥१५२॥ गु ए४॥ ॥
राग ॥ काहि ॥ धमा ॥ आज हालि बलि मतिआयी धूम स्वाबा ण्ण सब

लिउ मानी ॥ झ ॥ आलिय सव रंग भयि मिली कंज्ञ्या यका आपन पिच
कानि लायी ॥ १ ॥ आलिय सव दीन कंकी कसनी ल्यका स्याम की मुख
चूंघट लायि ॥ २ ॥ आलिय मनि कष्ट कानि व्रजमा ली का वाहियन
सरंग ल्यायी ॥ ३ ॥ आलिय कव इनी इख नंद गामका कहा कि जेव
छोनी दयी ॥ ४ ॥ आलिय लाडा दासि विनति कनी सुनो नंद कि
लाल नही छोनी ॥ ज ॥ झ ॥ १ ज ३ ॥ उ ८ ४ ॥ ॥ राग ॥ धनाश्री ॥ मिश्री
॥ चर्ति ॥ जनम जनम उमानी लाडानी ॥ झ ॥ दवी कंदाही पत्र पीप
न नही वृन्दावल ईश्वरी ॥ १ ॥ वन झ वदय झ स्यूनी डारी रानी

वदसना ईश ॥ २ ॥ सुन नंद मुनिजन पूजन आयी जप तप लगयी
॥ ३ ॥ कहय लाडा दास सुन हामा ईश हमका नथग ईश ॥ ४ ॥ झ ॥ १ ज ४
उ ॥ ॥ राग ॥ धनाश्री मिश्री ॥ चर्ति ॥ दन सन दहा विंदु कंवा
सिनी ॥ झ ॥ गंगा कंतिन मूति माहन दवी लाल धजा पूनती ॥ १ ॥
कंचन पूनी पन विराज नानी चानल्ज धनती ॥ २ ॥ सिंह च धीन उम
मूस नमानी उस्थि उरागवती ॥ ३ ॥ चानूय हन चानूय दवती ए
ग नका पालती ॥ ४ ॥ लाडा कंहय दवी मा मूय नाधी नाधास नेह
मानी ॥ ज ॥ झ ॥ १ ज ज ॥ उ ८ ४ ॥ ॥ राग ॥ रिपनास ॥ चर्ति ॥ हाका

ता नाम वीनान दिय केस्यहायी ॥ ॥ नाम न छ्ठ मन एन थ स उगन द
स न थ सुत कहायी ॥ १ ॥ वलि कै ज्ञान म्ब चउ कि कन उम पति ता किपा
न लगायी ॥ २ ॥ वसुदव दव कि पूत वासुदव नन्द पाल ध्यन चभ
यी ॥ ३ ॥ कहि कै कै कौति गत्रि वसवे काही दमत्रिन घाकि न पायी ॥
॥ ४ ॥ दास खेडा कहु कृष्ण कि दन सन दहा गत्रीव कै उम ही ॥ ७ ॥
॥ फ ॥ ॥ ॥ ॥ नाग ॥ वसंक ॥ पता ॥ पर जिसा मन चित लागि
सषीह विन्दावन जायी थिली ॥ ॥ हसि थेली पिव कान कूल मूला
ल वंक थ एनना नानो भूत छिलि कत भूवी भूव लक मत कैत
२ हालि

चमकत कक्ष्या भूवीन उनाडाय ॥ १ ॥ एनी एनी थाली यास्व नैग
उनाय यक नाथ्य यक कृष्ण वीच मा नही यक यक रोगू धूम मचा
यिहानी एडा दासि कहत रोगुव सरय ॥ २ ॥ फ ॥ १७ ८ ॥ गु ६४ ॥
रागा ॥ वसंक ॥ पता ॥ कन वन माली मनी नाजि कन ह वसीत स म
य ज्ञवती ॥ ॥ मनी तन षूली गयी नही स्मान ज्ञव मन दडा नीत
वषूलय ॥ १ ॥ कृति गयी मृगनयनी स्याम कपास कामा कुल का
मिनि एन एनी नैग सन कय धानिया व्यत्रा हाली पत्र गुही कैत
याजव मिलय ॥ २ ॥ फ ॥ १७ ८ ॥ गु ६४ ॥ ॥ रागा ॥ वसंक ॥ समनी ॥

दषत कूतत मद हस्ति का हस्तिनि रस्य जात त दषि आलिनी ॥ध्रु॥
वृन्दावन धूनत मद हस्ति आए हस्ति निकट मिलनि मन तिजानी
हस्तिनि चधिन कहु भनि प्यानी हालि चलि हा गुप्त मति रली जा
यी ॥१॥ मद हस्ति उपन पिचा कानि कृति नमा निय गजना ध क
लियचली हूयले कंकम अवि नउनाय हाडा दासि कहय सुनल्य
पिनाथ ॥२॥ ॥ॐ॥ ॥१७९॥ ॥गु॥ ॥४॥ ॥राग॥ ॥वसंत॥ ॥समती॥
चंचल झुलजि मन दासि वसंत समय सजि हु झुलजी ॥ध्रु॥ गन गान
मन जि धीन मझ सषी जो नमी मि कानूहु चानि थास रती हिलिजा मू

लक मिखा पत्यपती जाति मइ पूरष गन लाय हती ॥१॥ नूगल मन्ना
न मूर्ख चिन तीती श्रीमदल मन जी माडा पुरत विति चोयाडाका
थास नेग हाति क्रीती विधि जानाहा लाडा नाधा कहु नूती ॥२॥
गाधि पुनि जान मि वृन्दावन सती थ जाय थ्य कि मजी कानू
हु कषती लीलीपुस्य जाल कानूहु माडा क्रिति हाडा दासि याका
त लाक मन विती ॥३॥ ॥ॐ॥ ॥१८०॥ ॥गु॥ ॥४॥ ॥राग॥ ॥दशालीती॥
चति मलया आस याल कंथ मलायी ॥ध्रु॥ मामवव नूजा
दाहु किजाषि थ थिति कृस पीविरु सा बयी ॥१॥ वीध कसता

ती.दस.स.कली.थजा.छ.सजा.ग्री.नजा.धं.धं.पी॥२॥कीधाया
ज्ञनी.नापे.म.लायी.इ.स.ज्ञग.कली.पहलै.या.ग्री॥ ३ ॥ ॥गूनी
लाया.पूसी.कवानछा.ग्री.लिपगनिमसी.हिल्यं.क.गनी॥४॥लाडा
जीजा.रोपी.मनूपी.जाती.त्रिनिकस.लायी.नोमकाहत्री॥ऊ॥रोजा
दास.छिवीनान.म.ज्ञानी.मिषापलेपती.कष.सारती॥७॥फ॥

॥ श्री ॥ ॥रंजव॥ उरुः४॥ ॥ राग॥ दजागीत्री॥ चर्ति॥ दनानमति.कन
प्यारमपासी॥ फ्र॥ वनि.दनी.रयी.कव.सा.ग्रा.ग्रं.चालू.पहन
ली.सव.घामयी॥ १॥ घनमंत्र.छादी.वनमाहही.यकडुहीत्रही.ज्ञा

॥ श्री ॥ ॥ राग॥ काफि॥

नस्वा.मत्री॥ २॥ दीनहुत्री.ग्रा.ग्रं.लाजहागयी.स्याम.छाप.नही
म्वाके.स्वजायी॥ ३॥ त्रसनही.जानी.वाछवर्सकी.नजा.निप्रते
की.चत्रीत्रजसी॥ ४॥ कांति.विनति.की.कष्ह.स्वामी.लाजदा
सिनत्री.वाह.साकत्री॥ ऊ॥ फ्र॥ १६२॥ उरुः४॥ ॥ राग॥ काफि॥
॥ वंध्या॥ ज्ञान.यरा.वन.सस.ज्ञाम.हाकू.ज्ञानिया.ज्ञाना॥ फ्र॥ मकनू.नू
ज्ञान.धालमन.लाग.कपते.याग.पलेहल.मिषावान.हिलिज्ञा.जित
रति.सायो.छ.उरिन.नूगस.मरि.ठन.ज्ञाना.जितहयात्रवला.यामनछ
न.पूत्रया.कानू.जिथ.ज्ञाठज्ञाया॥ १॥ फ्र॥ १६३॥ उरुः४॥ ॥ उरु॥

श्री गुरु ग्रन्थ साहिब

रागु दसपदीआ चउपदे ॥ काइआ पाटु लीआ मसवाणी ॥ कलम
करम धरम दुइ लाई ॥ पाप पुन दुइ धरे सीस ॥ लेखु न
मेटै फाटै सीसु ॥ १ ॥ जिउ जिउ चलहि तिउ तिउ
धरि पैरा ॥ जिउ जिउ जीवहि तिउ तिउ करि
किरतमु ॥ २ ॥ जिउ जिउ देवहि तिउ तिउ लैना ॥
किआ को करि करि आखि वखाणै ॥ ३ ॥ ॥ ॥ १ ॥ ४ ॥ ॥ रागु
दसपदीआ चउपदे ॥ मात नाम अ
मात मात मसाही ॥ माता पिता मात जनमदिआही ॥
मात दिआ लै बीआ काइ मसाही ॥ १ ॥ पूनि जनम हाती
लाइ सानै दगी आइ ॥ २ ॥ इतीजनम लइआ लाभु वाती

मूलु मति हाइआ हमनकाही ॥ ३ ॥ लाज दास कही माधव सुनीअ
ही नतर दही कानथ गइआ ॥ ४ ॥ १ ॥ ४ ॥ ॥ रागु
दसपदीआ चउपदे ॥ मति धन लाल बीहाणी बहु जन
सुनी नागु जानी नति नथ करी आमगारू ॥ १ ॥ रूपु जेउ
नी इकरू नाही हम रूप गुनी गुन बीचारी ॥ २ ॥ गुरु आमी
दकी कपत किआ चूकस वगइआ जग सासु ॥ ३ ॥ जम राज
सासि आपा पीकरी जामु न नामकी नाउ लेनही ॥ ४ ॥ राउ
दास केसी मूरखु लइआ कउ बात मनी कहु सा कही ॥ ५ ॥ १ ॥

॥ १ ॥ ॥ उ ॥ उ ॥ ४ ॥ ॥ राग ॥ हमीर कल्यान ॥ चौताला ॥ जगिनी धानी ग्व
वन धन कि ग्मो आ ग्व प वाल बचा ॥ उ क ॥ धन्य सामन थः
उमकी ॥ ध्रु ॥ वलि सं स्य प पा बन क छ न ही ला गन स्या म किः
दघ त ग्रीड आ ॥ ग्वे द प त्री विन ती क नेय न जानी स्वा हि व ॥
॥ ॥ ॥

दारथ्ये,तनतारथ्ये,दिगरथ्ये,मनघ,सीहस्य,दैवनूथ्यस्य,छिलाडा,सार
ती॥१॥ धूयाछंगुनी,ही,नाउ,विन,कषास्य,यस,श्रीकास्य,धउनग
जीतास्य,रोलानूनी,एउदासक्राक,छहनी,पहयापती,कुकिइष
नूनी॥२॥फ॥१८०॥उरु४॥ ॥नाग॥पज्जा॥वाता॥कोहकी
हकस्य,कहमका,उममती,छानी,स्याम,स्यन॥छ॥काहभ्याकाद
नत,इन,एजाउ,आत्य,साहम,उमान,पगक,धून,नाही,छान॥१॥ताह,
भ्यान,साहच,कवत,पाउन,एजास्य,नामिन,कथिनक,थ्यन,प्यो
न॥२॥फ॥१८१॥उरु४॥ ॥नागे॥पज्ज॥वाता॥तन,स्यन,उ

स्य,नस्य,नश,कव,सय,यवा,प्रल,स्यन॥छ॥ खाह,दखा,हमाना,
कउन,इषन,जीनक,ग्यदम्या,लछि,मिक,नाषस्य॥१॥दस्यस्या:
न,विछन,वादन,कूथिन,करथीन्य,करथना,नानायन,कवस्य॥२॥
कह,तन,दासन,एजाक,षवस्य,उमान,चाकनी,हमनषनामछ
॥३॥फ॥१८२॥उरु४॥ ॥नागे॥तानी॥छक्कताल॥नानरामा
दयातनी,पतितनको,नामतान॥छ॥दानव,नावन्ना,मानीक,
आपन,अंगम्यो,लिन,करी,लीयी,प्रलनस्य॥१॥पह्लादवचा
या,हिरनस्य,विदाल्यो,वेसिक,छल,करी,अंजहूनहान॥२॥

कागका उधाव सवक उमन राडाक निवद श्री रयारगपालक
॥३॥ फ॥१७३॥ उ१४॥ ॥राग॥ पर्ज॥ चर्मि चंचलकी मनक
नी घूघूलूकी नीद श्री बालमिन हीन घूघू लघू घूघू क्यान
बाली॥ ध्रु॥ सारंगि गवन वजायी सूवंगी गवूना सात मिलाय
क गयी नाम नाम निगून स्वाही नामहनी जनोदन वासुदवंगी
नी भ्रमी नाच्यनाच्य षूसी हाय मदन रगपाल श्री ली॥१॥
दूजवी हनी लाल कय सुनत स्याम कं भ्वादसिक धूनीसुनी
राडा दास पिछपनि टदि गद दिग तता टीग दाठि गदि गथ्थे

ठिग दा ठिग दिग थ्थे गयल राडा वना श्री ली॥२॥ फ॥१७४ उ१॥
राग॥ धनाश्री॥ प्रताल॥ वन नस नन सदा चो काली छी॥ ध्रु॥ वा
ग मति धी स्वर मातक वन्या विश्वक गुज सारी काली छी॥१॥
गुकाति जागिनि नलिग काचानासंग एवय थ्थन काली छी
॥२॥ सुनन मनी नाग नगिनी ना जज काली रजन काली छी
॥३॥ वीनती राडा दासया दुहमा श्री छिन्या छिपाचिउ भानया
काली छी॥ ४॥ फ॥१७५ उ१४॥ ॥राग॥ काला॥ ल ताल
ग्यानि लाग थडा ध्यान श्री राडा॥ ध्रु॥ पूरवया पूर्न्य उषलात

त्रुति.कृपा.दया.दान.यात.॥१॥पूत्रा.नस.६८.या.का.थत.पाप.पू
न्य.कनी.थनीजीत॥२॥पत्र.धन.क्षाये.इ४ष.सीत.थर्म.मन:
सीउ.मत्रू.षत॥३॥लिपा.झल.पासा.षउ.लेनी.वनज्या.उ.यो.
थ्गुथ्मते॥४॥थउ.झका.क्षात.लाउ.दासी.कष्ट.झन.इष.व्या.

॥ग्रा॥ ॥ग्रा॥

क.६८॥ज॥झ॥१ न उ॥उ ए४॥ ॥नाग॥ कोला॥ लेगालाल
रीमाह.क्रोध.माया.क्षाय॥झ॥षवी.म्वाय.मन.थ्य४व.ह थी
पगुझग.म्वाय.दण्डी.एती॥१॥सीसा.नत्र.सान.मर्ष.गती.त्रू
न.झनी.झण्डी.मष.झगुडी॥२॥मव.मइ.थउ.इम.हती.पनउप.

काल.याउ.मती॥३॥कष्ट.झया.दास.लाउ.क्षाक.थ्गुजन्म.
नउ.थ्वउ.सिति॥४॥झ॥१ न उ॥उ ए४॥ ॥नाग॥ कंदाना
सर्ग॥रगाविन्द.छीचनन.दन.सन.वीउ॥झ॥थमनी.वाल
षस.लावन.झयावान.जगतद.ल.लसपाउ.कंसया.इगछो
या.अनग.रूप.काया.कष्ट.झ.इन.कनउ॥१॥छलन.व
लनन.उयाउ.दयी.नन.वालष.जीउ.य.थ्य.स्याउ.त्रसन
उ.क.स्याग.धालछि.उपउ.या.स्यामझ.सनान.इउ॥२॥जसा
दाध्यया.वलमाचा.झयाउ.वानी.रगपिनी.उ.उ.त्रस.लाउ.

नन्दया कन पिलाउ मन नाधि काउ स्याय क्रुय रगी सउ ॥३॥
मषूस्थ याय यउ छीकाय त्रुक्रु गुती तनह काम कलासी उ
छायास्थ कमिसन दक्षि नापन मइ ग्म पाल छपि दूगी
वाउ ॥४॥ माक्रु छि कार्य ऊ गुमूमा लाया हल विक्रनि छि
कसिया काय उ उपीधि कन गस्थ कायिउ मक्रु तिनी ज
खादो पतिमक्रयाउ ॥ ज ॥ राउ दासन छात मसिउ कक्रवि
त कक्रक्रु थमन कठउ रुपति नसवाहोई साह ध्वउ क्रुनीक
क्रु त्रुवताल काउ ॥ ७ ॥ ॥ ॥ १८८ ॥ ७६४ ॥ ॥ राग ॥ सारंग ॥

जगत रली कुरी मनप छुतानी ॥ ॥ चंचल वीजनी पद्म मनी
ऊधनी हस्तिनी धीली दंकिनि मूष कउनी ॥ ॥ नवालकनी त्रुप
नी सलाकी स्तनहा सव काहि कह नस्वा मानी ॥ १ ॥ काहिक त्रुप
नी कवरुनी उमानी कामिनी हाव्री मनकी स्थनि रुलि मनी ॥ रा
जदास कह सुन राय सैतनी त्रुआनी सव छादनी नामनामस्य
नी ॥ २ ॥ ॥ १८२ ॥ ७६४ ॥ ॥ राग ॥ मालश्री ॥ सूर्री ॥ मातादवी
चंषिछीविनान मइ गति छीगह ॥ ॥ जगतजननी त्रुपचंषि
नी षदग नानासुप्रजाना उह मालया मालन काषाया

न.मालिका.गन.नन.लिंगकाउहा॥ १॥ सिंहग.याल्ला.नाथुंर.नी
ठुंर.गुमानी.झस्यचाठ.माचकूह। दयीन.सकल.माला.स्याकाउ.
जागिनी.सकल्यन.हत्रषनह॥ २॥ वताल.कउन.रग.गनन.प्याष
न.झ्या.लाहि.यका.नह। दवद.कउया.जय.ऊकाल.पूकात्रयाक.
जयरगवतीह॥ ३॥ संकेसुतात्रनी.इसुमात्रनी.विघन.विना.सि
नीरवानीह। त्रूरयवनदाने.वीउ.वंछिकी.दासलाउया.मनपू
त्रयाउाह॥ ४॥ ॥ १८०॥ गुरु४॥ ॥ राग॥ जयजंति॥ वंधा॥
दाम्रत्रूवतात.सिवंकानन॥ ॥ पित्रथीया.लात.दक.कामायत

अथ.झक.कष.झनदस.त्रूवताल.काय.लाका॥ १॥ झत्र.थीत्र.मा
ल.त्राज.धर्म्मयासलीक.लीमसन.दक.स्याके.सकी.कूकी.याक.॥
॥ २॥ त्रत्रझनयासात्रथी.कष.झथी.हीक। माहालात.थस.दकमू
ना.झकस्याक॥ ३॥ नकू.त्रस.हेद.वन.पत्रो.कुर्म्मयाक.मेक.व्यक.
रथापि.वृक्ष.लात.थस.त्यक॥ ४॥ स्याम.कर्नु.सह.माला.लंकावी:
त्रहक.त्रोज.स्वय.जरग्य.यानाः.श्रम.त्राह.उाह॥ ७॥ झाकक्रन.
झाय.मह.उास.सन.याक.राउा.दास.यात.वत्र.दान.वियउालाँग.म
क॥ ७॥ झ॥ १८१॥ गुरु४॥ ॥ राग॥ जयजमंकि॥ चति॥ यात.त्रयं

स्वर्ग सावधी जाना आना नाहि दीन स्याम ॥ ध्रु ॥ मारथ वधु गः
गरीब उजा नथ स्याम मरी दमा ह उरधा तुम कही पानी
नाही घर मर स्याम ॥ १ ॥ माना मन कर्म तुमा गागरी क स्वक
जायी वाह दीन्ह मरा पान पकी नाही कची कर स्याम ॥ २ ॥
जाह दीन कह गया ना क्रध नही छाती रस्य हाप्रेस दासी
राजा उरधा अजीप हुचायी स्याम ॥ ३ ॥ ध्रु ॥ १८२ ॥ उ ९४ ॥ ॥
राग ॥ पर्ज ॥ चर्ति ॥ स्याउल माजी स्याम्ग मइ इइ इ तिका छन
थमन स्वीक मासा रुसा मारध ॥ ध्रु ॥ मम ग पूसा मीया सप्यमइ

स्य मकन कनकी ताता डान ध्रमिछन ॥ १ ॥ लागल मगलपा म
न्ना चाथर कतक कधायी प्यड मडा मिसा छन ॥ २ ॥ मिनि दमया
कन्ना लग्न कुरल थडावा मलाग चाकू पक हिल छन ॥ ३ ॥ मा
मन षडा धसा छन्ना किमिसी उमडा कका या पल बन लाग छन
॥ ४ ॥ ग्यानस माला साडा पासा रीनकी मिडया मिसाया वा
नी रिंक माल छन ॥ ५ ॥ नडा धे सा याडाना मिवासिक लाग म
धसा मयाछ कष्ट कयल छन ॥ ६ ॥ इ गया लीउडाल साडा
नह्ग मवया नमेष स्याम गन लाय छन ॥ ७ ॥ ध्रु ॥ १८३ ॥ उ ९ ॥

रागा॥ मेघमलार॥ सूरी॥ हमउपर नामा उम नहि वनस्य कोन
॥छ॥ सुख रहण नोहि मेरना कम्म लिषि दीय। काहका छापती दनी
नाम छोहाणी॥ १॥ छुंती छाग ग वन्वा व्यलिका मन नश्य प्रा
निका व्यासन मनी नाम छाहाणी॥ २॥ लाडोदास पू कानी नक्ष मन
उही पहुचाणी श्रीराम नाजाके हरहर नाम छोहाणी॥ ३॥ ॥ ॥१८४॥
॥गुरु४॥ ॥रागा॥ मेघमलार॥ सूरी॥ ग्रजय घन घोर छाति छा
ति वूद गरार॥ छ॥ सदा कवन रथ्यानि गनज वूद हरी पन नूवकी
पाषकी हानी मघ हा दानी॥ १॥ करथ न कवन नेन काहका नाम

किष जाना। जामागी उगना दनी सवका पानी॥ २॥ लाडा कहत सुन
मघ नाज जल वीगना छ॥ काहीक प्रानजी जागी नामहा दनी॥ ३॥
॥१८५॥ ॥गुरु४॥ ॥रागा॥ सारथ॥ सूरी॥ जीगन वान्य वास मासा
मल [illegible] विला॥ छ॥ गन नम गल वास ग्म फूल स सायाना नामहु
छ छ मिसन नीजा इष नम खात स विनह न आयो छीक हुनी जिन
गरथ याडा॥ १॥ घन नन नन हाल मघ गन स याहा जम नाहु
बीउ हस बाडा आग गन लजा स्य पूषू हुया दथ लाता कान छीन
काल उम या वाडा॥ २॥ थनी जिपी सिन धक सल नान हम धा स्या

मछन जिउ धालयाउ। लाउ दास जि छेक वान धक मन गस्य
कि गुस्यउ जिनयाय॥ ३॥ गुगु कथं नम जील यानाव जगमल
न गध्य जिल उगु कथं वीउ। नाज नछि मो पगी नस वाहा इ
न साह कष अवगान काउ सउ॥ ४॥ फ॥ १८ ग॥ गुरु ४॥

रागु॥ पहलीया॥ वंधा॥ नगा मा मिना ग्याय इन दण ज्ञान म
का कष द उसउ॥ फ॥ नंद जल क्षदाक वाला वुरंड क रयापा
द वक हिग साहि जग के प्रसउ॥ १॥ ग्मपि ग्मली ग्मझ हजा
सा उप नाथ सव कक फस पूर्ण प्रान पि यानीउ॥ २॥ संसान का

२ गुरु

ग्रधान का नाम कष नाम छाति वन जिउ रिप ग्रउ मानो हउ॥ ३॥
लाउ दास कह सुनो ग्मपि नाथ साहव हउ हाम न नष चाक्रम कउ॥
॥ ४॥ फ॥ १८ ग॥ गुरु ४॥ ॥ रागु॥ सिद्धाग्रम॥ वंधा॥ गन जा मा ग
ल नमइ कानूरु जिन मखन॥ फ॥ वूम सिल सि जि स्यन सि ग्र नि सक
सन ग्रम्ब नायक जाया क ठनं। उपकात चिकि धन थू लिमछी ग्रा का
य कानूरु थम नन काउ नं॥ १॥ वूया थउ जिउ ग्रने ग्रमि ग्र मह
खन कानूरु लिप चाय मइनं। ग्रम नायं दथू वान ग्रहिनीन नोंधू नी
लाय वूयाउ जके वाहनं॥ २॥ पूउम काय हिंक वान वूल ग्रहिकयानं

घावन लिप ताकपूयीनी। उमपियात मेरु ध्यन धूसिलूया उमपिन उम
वृथ थत सेथ्य ग्राकनी॥ ३॥ मव मिसा काल उनेकानू रु मिसाहन
ङ्किन धूसिमछि काउनी। नाधिकाया क्रित मन उमपि मउ छ्न
न कानू रु वूसहकि छ्नी॥ ४॥ वानलात धक छ्न कानू रु तिया
उन लिपत यूषूसिस काङ्गनी। धर्म्म मइ पूनूषन काल उल छ्लन
सीकंथ उमनाइ षसीलनी॥ ५॥ ग्रूयहय सषीहन लालत छ्न्न्षन
मन सेउस्लयाछाहिहनी। म्यवा रान कायतन तउ धन धकन कानू रु
लातरथ्यनलायीनी॥ ६॥ कसियात तत धन पिंकु म्म महियान लिपत

ऊवा विय थाकूनी। मवमन मिनमिन ध्वलामिन पूतन हिध्वीया उम
समइ सिध्वीनी॥ ७॥ ग्रपाग्धन सस सान महियानीलकउन हिया
यरथ्मर्गवासलातनी। ङ्काक राउ दासतन हहकानू रु छीन वूसः
रथ्मस्तक हिनमालनी॥ ८॥ ॥ ॥

जान नन सुंदर ग्वाला का ग्वपी सब मारी कै चसि जान्या नाहि दीना ध्यान स्यामा कै ॥ ४ ॥
ग्वहुनी अउ ग्वाकूल्य हसि करी मानी ली राधा स्याम कै ॥ ३ ॥ सुनवन
माली उम्वा ग्वाकूल कै नाच्या गाउ दासी क चित नै षा स्यामक ॥
॥ ॥ १८२ ॥ उ ४ ॥ ॥ राग ॥ पूर्वि ॥ मुगुली ॥ दाख सात कै नै दाग ध्या
न ध्यान ध्यान ध्यान ध्यान ध्यान ध्यान ॥ ॥ मूल खव नीर जन जाति कै
सकै न जप तप कै लगा सीव पू ॥ १ ॥ कहै गुलाउ दास गुरु पूर्वा वाम
की इन्वो रद नाहि जान्या सीव पू ॥ २ ॥ ॥ १८० ॥ उ ४ ॥ ॥ राग ॥
मारी ॥ बुक्त ताल संगि ॥ पीकु कु ध्वल तरंगे पिंग्वालिनि नाच्यो पू
नीपू वाश ॥ ॥ ॥ ट ट ट दिदि द तता तत्थे त्थेया त्थ मृदंग ताव जाया

॥ १ ॥ ट दि गध दिग तता त्थ ता दिग ताल की नाच्यो पंषा हार्क ग्वाल
पाछ्यो वीनी ध्वाला ग्वाल कुष्ट नी नाच्यो ताथ्य नाधा ध्वाको हा
थि पै नै स्याम च धक नै स कीयी तत तत्थे वै सीध नै का ॥ २ ॥ मूल
ता अउमना हाथिक अउमनी कहै गुलाउ दास ॥ ३ ॥ ॥ १८१ ॥ उ ४ ॥
राग ॥ काला ॥ वर्ति ॥ स्यामा ध्याना ली ध्वा जायी ॥ १ ॥ हाथनी सषी नीवा
सनी सुनी ल्यध्वा चलनी वृंदावन ॥ ॥ ॥ नागनी काला को दषिल्य
ग्वाला नाधा हल हमानि भ्रमानी ध्वा स्याम नसिया वाला कोनू
ना वृंदावन ॥ १ ॥ वंवली गुलाल्वा मारि फूल षूरध्वा ध्वा चल मन
की सुनी स्यां नाच्य दासि गुलाउ का ध्वा ली ल्य विंदावन ॥ २ ॥ ॥ १८२

॥ राग ॥ नट ॥ प्रता ॥ स्यामाजी धन दसनी जाउ न्य ॥ ध्रु ॥ जमुना कूंद
गयी काली नाग कै फन लीन्ह स्याम ग्वपास्य ॥ १ ॥ नन्दज ग्वा
दादनी कृष्ण ब्यो रयो वालम कूंद हसी आ ग्वी ॥ २ ॥ कहय ग्वा
ल दास सुनो हो कृष्ण जमुना ग्वपे वाल नाथ्य ल्या ॥ ३ ॥ ज १२३
॥ उ ४ ॥ ॥ राग ॥ पेजु ॥ पुना ॥ माया मोग न आया हो दामोदर
॥ ध्रु ॥ लक्ष्मी अ जानकि वयकुंठ नाथ रीझ कर मुझ अ ना हो दा
मोदर ॥ १ ॥ प्रह्लाद बजाना काहि नाहि जाना जो ही माग्य सा द
ना हो दामोदर ॥ २ ॥ दास गोवा माग्य मिन्यो पद पूजा रत्न पूजक

॥चर्चि॥ मंगलकन ग्वहेन्दकीज़ सुवन नमनी कनी आरती लीजै॥
॥ध्रु॥ अर्ज़ ध्यां मथुरा गमकूल कपूरी चिणकात द्वारिका वीराजा
नीजी॥ १॥ प्रयाग माधव गया गंजा धन जगनाथ चौरासी राग
पुराजी॥ २॥ श्रीकृष्ण दास राजा पूकानगजय जय आरती ग्व
पिनाथकी॥ ३॥ ध्रु॥ १२६॥ उ॥ ४॥ ॥राग॥ धनाश्री॥ चाला॥
सैकन राला नाथ विराज धूप दिप नयी पद आरती कीज॥ ध्रु॥
नामनां वेजना काशि विश्वनाथ पसुपती नाथ कै वारमनिती नै॥
॥१॥ आदिना निरंजना एन वरध्यनाथ कोलकन घाय निन कै थना

॥श्रीगोविंदजी॥ ॥मंगलाचरण॥

थ॥ २॥ राजा दास कृष्ण सुना उमानाथ जगतउ धन कनैस्वा
नाथ॥ ३॥ ध्रु॥ १२८॥ उ॥ ४॥ ॥राग॥ गुजरी॥ चर्चि॥ हागीनी
धनी मनोनी की साधु आरती कन॥ ध्रु॥ पीनां वन कै धनि कृ
ष्ण कै धूली जय तिकि वेन मालो कै थल गमनी॥ १॥ लाल वी होनी
कयम उक मनी नउ नन जनी नथ मरेक लैगी॥ २॥ धनू व
धनी नन्दजसोदा घन वसुदेव कि कै कछु नकरै की॥ ३॥ दास
राजा कै ध्व नी नाही कि ष्णो यही प्रस्म्या को मीसी कवहू नावा
सी॥ ४॥ ध्रु॥ १२८॥ उ॥ ४॥ ॥राग॥ गुजरी॥ चर्चि॥ काशि वि

नती कनी सनघर आनती लीज ॥ ॥ एकादसिकी नाथी स्वाप
नतही कपूरेक वर्ति श्रेय सवास धूप्रनी ॥ १ ॥ पंडे दिनकी यक
हमान ॥ चाही कहस्याम मक्ष श्री एकादसिमनी ॥ २ ॥ यका
दसीकी उम आडात नही रस हम नही जव आवेगी कहिया दनकी
॥ ३ ॥ वाहुवर्ष स पृथ उमन कनी अजहन मनाघन नात नही क
वही ॥ ४ ॥ दासि एडाकेपर एमपि नाथजी दयाकन पर मन
घन घन आडानयाहनी ॥ ज ॥ ॥ १२२ ॥ उर्ह ४ ॥ ॥ नाग ॥ पर्ज ॥
वर्ति ॥ दीया नानवूता स्वानान दीया वति नाहिन दीया अजानय

दीपावली

आपिआयी ॥ ॥ यापन छादा मनस्यत नान कथिन कथः
ना पीया दीया अजानय आपिआयी ॥ १ ॥ स्वापन आजव पृ
य पूकान घनी घनी आडापीया दीया अजानय आपिआयी ॥
॥ २ ॥ रुपर काका इन दस रली स्य उम नही ज्ञान मनी दीया अ
जानय आपिआयी ॥ ३ ॥ स्वामीक रुज एडादासि नहि स्य वीना
वती बल नाही दीया अजानय आपि आयी ॥ ४ ॥ ॥ २०० ॥ गुरु
राग आदना वेक्ष कआसा कन पन छान चाकनी पतावाशि का
हुक नानाम घलायगम काका हीकजनम रयगि आक कनवना

दीपावली

अतिमरा नक्क विचिण किया जीमी एति काविज कव्व ण्णी कत्त हिक्क
वृतिकत जिजा सव आउमा अधान कदीया ॥ १ ॥ चौति पग नउम क
त्तकाति वनाय । सूमन पर्वत वन नाम वनाया राजा दास कहय सा
सून पथनक हित नम नह जिजा जानका षलाय क नाष्या ॥ २ ॥

॥ फ ॥ २०१ ॥ उ ए ४ ॥ ॥ राग ॥ कादरा ॥ चौता ॥ सकन ॥ ज्ञा ग्य ए ७ भ
ना दवन घाल्य आहा आहासी अग्रवं मग्रवं मंग्रवं वाज ॥ ध्रु ॥ वि
षए रक्षाज हिंन ए स्म लिपि नाग कए बनी उमा पति पी य राग गर्व
उन साथली ॥ १ ॥ अलष नी नजन उही सव कं त्याग कि कनी काल

लपत वघंब भनय हाथली ॥ २ ॥ पतिनक ग तिउ हीद राजा नाथ
पसूपती दास राजा कहय हजगदि ए ७ भ उही ॥ ३ ॥ फ २०२ ॥ उ ए ४ ॥
॥ राग ॥ गउ नासारंग ॥ छता ॥ स्याम मथूना काय कीया राजा जिपिंजा
न गही हुया ॥ ध्रु ॥ चक्की उप चान्य मथू राषा काना जानकी प्रवदया
जनलालमन प्रह हुया ॥ १ ॥ पति य उ उरक्षा कन जिपिंगही हुकह
सय मइ पूत्र घया मति मलिंजाया ॥ २ ॥ नापवना हुय माल उरक्षा क
न स्याम मजा तल नय मथू प्रान त्याग किया ॥ ३ ॥ पति विया वूष क
ग लिय जाय भाल पती मवी वूष मकं उरक्षा कपतया ॥ ४ ॥ उरक्षा

हथि नया वाया लीपवड़ ओड़ उरधाविति मूती याके कृष्ण लाडा
दासि याविनति हनमाल स्याम मनमस मूविमानवाल ड्डि ड्डि ड्डि
या ॥ ७ ॥ २०३ ॥ उलथ ॥ ॥ राग ॥ प्रभाति ॥ प्रता ॥ सवइया
पातक हरनी गंगा माई ॥ ध्रु ॥ पूरू वज नम किहा कउ पाप
वहापा पुलगस कुलाउ गंगाजी ॥ १ ॥ मंगला पिंगला धान्या लाला
मलि रुद्रिका उलेका वूमाउ गंगाजी ॥ २ ॥ सिधा ओक टाविक
ता नवग्रह यसव पिदान कराउ गंगाजी ॥ ३ ॥ हरि गंग गी
गवतरी साथ मानि सनान कियकाहू दउ गंगाजी ॥ ४ ॥ लाडा

दास कहु सुनहु नीहर लागीत थिगंग तिन नाउ गंगाजी ॥ ५ ॥ ध्रु ॥
॥ उलथ ॥ २०४ ॥ ॥ राग ॥ वेलाउल ॥ प्रता ॥ परम नाथ श्रीकृष्ण
गमविच चाहु रक्षक ॥ ध्रु ॥ जाके सूखे राम नाही आउ अय वृत्त
का दसि ना कीय चूक गयी ॥ १ ॥ जाउ नम नन साग पूरी नागय
गंगा तिर्थ जाता ना किंयी सत्य उही ॥ २ ॥ जता दीन जिय छिन म
ती छानिय हरी हर जपना अउ सर्प गयी ॥ ३ ॥ लाडा दास कहु
सुन सव काहिव धर्म कि विनापोन नाम जाहिता री ॥ ४ ॥ ध्रु ॥
॥ २०५ ॥ उलथ ॥ ॥ राग ॥ सारथ ॥ सरी ॥ गरूर नाथ ग्राह हुना
गज नाथ ग्राह ॥ ध्रु ॥ मछ नके दल ग्राह हुना गलूलक प्रजा ओ

ति दल गुनाज राज कंबजा। मूलकह मानाक मक्कन नीया मानश्वा
क कनीजान उन जायी॥ १॥ मूलकह मान अंग ओति भाक सबली
या कुब्रय अवलन आया दनो कन नाद न पानि हि जु गिना मान
ग्वहा नहि दीय वचनाही॥ २॥ यक मक्कु घाय दस ओति रुक्कु जाके
रया गजराज ग्वहा नले आया। गजराज लयंक आगी सामूरय
जान गलूनक जीध रय जान॥ ३॥ यीन इन घन नह ओति मक्कु
लय हुय साघमास आय पाला पेना। मक्कु सब मन गै ओति किला
वना कन ओति मक्कु घान मिपरयी॥ ४॥ नानायन सारु किय ओति

स्यन कन दिय गज राज गलूनहि गयी। राजा दास कहय सुन लोक
कान पथ यहि पद वूस न किचाक॥ ॥ ॥ २० ॥ ॥ ॥ नाग
आसाजरी॥ वंधा॥ स्वाना कोन गति केल उम रवानी वालक कवि
लाक छानाया॥ ॥ काला मायी वां कालयी वंध कारुस्वा घवनीन
पायीस्वा हासी गल्य हनि कोन्य इष स्वाना हदया स्वमना देषाहा॥
॥ १॥ माहाजाल स्वा काकारंध स्वर्थ पूकाल्वा रगवति सुमि स्वा चंद्रि
कालीदवि नमा मार्ग माया गीत्रि नदि नीकू मानीहा॥ २॥ मावो क
ह पूवुक्कंक रायी सुपूष कह पूत वांकेस्वा कही हासि पत्रि जवन

ही आया हादेया कहल्वा आयहा ॥ ३ ॥ रुया एव स्वा पूलष मत्री मिनि:
या आय आयमत्री आ हत्री हत्री प्रान पिया स्वा ग्रंग गया जिय किष
कानी नामहा ॥ ४ ॥ म्ग मा पूकोत्र ण्ण स्वी कत्र गलक रासि आगे के
रिआ रुग वती दया कृपा कलू नाकि कानि दि रासि कंजयसी ॥
मावी वंचो स्वामि आप रुयी कहि आ अपन्य क रासि आ जय जन
निक रहू होयि कृति जय गका नीक दया हा ॥ ५ ॥ राउ दास क
म्ग कंजैस्य गल स्वा रासि लगि दषहा जीलवन नानी जय थ
नानी स्वाक मल्य रासि कानाउ ॥ ८ ॥ ॥ २०८ ॥ उ२४ ॥
हा.

रागा ॥ पर्ज ॥ चर्ति ॥ मदन ग्रपाल श्रालय नाहजि पानि स्यायी घात क
चोकि ऐ आ रुसय लाग्य ॥ ॥ चोकि ऐ जाना घ्रग्य माषं ल्या ष्ठी ई
ग्य माषं नाहि ल्य ग्रामा ग्य साय ॥ १ ॥ का चा रु सा न प्या न स्व क उही
दिया नाजी स्वा लीय मन ष्ठा हा ग्य ॥ २ ॥ पानि कं ल्यायी जायी स्याम
जिस्वा काम राउ दासि क मन ष्ठ रुय ॥ ३ ॥ ॥ २०८ ॥ उ२४ ॥ ॥
१ राग ॥ रासिनल ॥ चर्ति ॥ कत क या रात का म न जान छन ला ॥ ॥
वान लात धक सोया जीना प लायी ला ॥ १ ॥ स्वाया मिषा प ल रुया छ
पाल सइला ॥ २ ॥ छीउ रान जीउ रुया लीन क घा पूना ॥ ३ ॥ का
न छीन सय ते ला लीप रीक ला ॥ ४ ॥ मूस रून छि ला घाया जी

यरथ्य यायीला ॥ ज ॥ राजा दासि किम घूला दयाति कानूया ॥ ६ ॥ झ ॥
॥ २०२ ॥ गुरु ४ ॥ ॥ राग ॥ पर्ज ॥ चति ॥ चंचल जी चीत मती मन
जानी की करती बालक कहनी वहनि सकस इन्य लाग्यो ॥ कर ॥
लंवान पन्य मत कुती हाकन जामानी ॥ मवा जान कोय हथी क
त कस्य कुध्य कुती सत्य वाचा झायधून क्रिय वायाहानच की
यरथ्य यरथ्य याय जीजा लासा लायो हूगतेया ॥ १ ॥ मवतकन जाल्य
सियी जिमाम न्यावती यकाकला इक्याक जानम इ भालजि की य
कानू की न सत्यतय लीप रिक मालिप्रह झाकाकक ग्मपालहू रा
जा दासियागुधिति ॥ २ ॥ झ ॥ २१० ॥ गु ४ ॥

॥ २०३ ॥ गुरु ४ ॥ ॥ राग ॥ पर्ज ॥ चर्ति ॥ वसि धनी वजकर्य मारुन की धूनिसुनि विचा
वनचली सषीसव मीली सुनीनही ॥ झ ॥ ग्मकूल कोनेकाकरग
यी ग्मलिनि दजानी कानीवनी सवचली कहुहुनजाग्मीपूगी
काहुआयी ग्मपीयही किनहुजि सवकोही सुनेनहुनहुनजाप्री
नपीयानकहया ॥ १ ॥ ब्यलगेकनेकनहसी ग्मपिनी नावनी द
विकहुमुलकानी चमकत नाथकस्वामी कहुब्यल अच्यकला कव
हुनी सुनीनाही यकनाथ्य यककहुघालिनहि यकलया ॥ २ ॥ कवक
घानपि नलली लागदिं बसती विचावन नाभाकहु कयीदिनवि
गेघल राजादास लषमनी दनसनकवपायी कनाथ साहवनी
यकानषवनकियो ॥ ३ ॥ झ ॥ २११ ॥ गु ४ ॥

रागु ॥ धमारु ॥ आदताल ॥ बजत दिमकत हकत देवनू
लाला बजत दिमकत ॥ छ ॥ नंदी की चढ्यो बूसी सिव सैकत रो
र वेधु बुढ्यो जटा हव धा ॥ १ ॥ कानकी कुंडि लकै लगायो
नति पीलयै नाचत घूमी घूमा हुघूमा ॥ २ ॥ कहयो लाडा दास सु
ना हउमो पत मागत मीलि लालो हलाला ॥ ३ ॥ छ ॥ २१२ ॥ उदै
रागु ॥ रग नासारंग ॥ चर्ति ॥ एगत ती चंडि कालि आदि एवा
नी दवी बालामरबिनी वनजागीनी ॥ छ ॥ ननी धी अस
सिधी संपूरनु जननी सिहव धी ननी त्रिलाचननी ॥ १ ॥

बजग जीसली अंगीवासन वध्य चंडु मुंड सुंर निसुंर मानी
॥ २ ॥ छसकामिनी नानी विंध्र निवासिनी अरयबुदानी हउ
लाजनी ॥ ३ ॥ कहयो लाडा दास सुनहु अंबानी इबकी हन
नी गीरीनंदीनी ॥ ४ ॥ छ ॥ उदै ॥ रागु ॥ सली ॥ सुरी
काली उछ्रवती दस दिग उडा हाडा हकि नही जानन
॥ छ ॥ महछवती माहामाया दवी काली का ब्रह्म धन सि
हव धीननं ॥ १ ॥ गलमुंद माला मा छ्री नती छ्यहि मा हुंल निश
रु असुर मारनं ॥ २ ॥ दवी सव देव दल मानी रछ को
जयजैकारु दवपु कानं ॥ ३ ॥ लाडा दास कहु सुनाज

गदंव्य का पती तन के सागर तारनी ॥ ५ ॥ ॥ २१४ ॥ ॥ ३१४ ॥
राग कीर्ति पूरा ॥ मोहा मा॰ सागर नाना रूप धनी कारन
जगत्कुल उधारन शीत वन तानी ॥ ध्रु ॥ काल दुख हरन कंसु कं
करन व्याधि नाशन पाप हरन निधन धनि करन निसि तान के संगा
न करन कालिक ॥ १ ॥ इस मान करन रंग पान न साधु नंद के
कल्यान दयानी दया करन नाना उपद्रव वीनासि करन कालिक
॥ २ ॥ नंद वाहा इन साहक चक्र पति बुतान दाहीन जय गंगु
ध्वनी चरन कृपा करन लडा क ॥ ३ ॥ ॥ २१५ ॥ ॥ ३१४ ॥
राग नारी ॥ ब्रह्मताल ॥ जगत क ईश्वर संकर महादेव उम

ही एव सागर तारन कं ॥ ध्रु ॥ जाति जाति मा जाति उच्च रंग धन ही
नीच रंग धन हा नही रंग ब्रह्मा विष्णु ॥ १ ॥ रूप रूप मा रूप ठी वस्तू
धन ही उमा महेश्वर की नेक नाही कं ॥ २ ॥ लिंग लिंग मा लिं
ग जल नी हा गयी लिंग क हरी प्रली लपती लिंग ॥ ३ ॥ लला
लला मोहा हा ला कंतन उधार की पतित कउमे न हुगन विया
॥ ४ ॥ लडा दास कहह विष्वना कृपा कु अनाथ कनाथ ह पशु
पति ॥ ५ ॥ ॥ २१५ ॥ ॥ ३१४ ॥ ॥ राग ॥ कासि ॥ चर्ति ॥ चरन क
जल श्रवन सन गह्य कासी उम पंन सन हा मक ॥ ध्रु ॥ सीतल
गंगा की जल हरी बागरी स्यायी सनान कउ म अंत्य मायी ॥ १ ॥

ल्यस्मी करधाती वादला पास्क लगायी सब जातक गह ना लीजै
॥ २ ॥ श्रीषंड कंठी कस्तुरी कूंकुम रंग नाचे सब वास चंदन लगा दबी
॥ ३ ॥ चंवरी गुलाल सब जात कुमीला चरध्य हुलसूल सब रागला
ग ॥ ४ ॥ सनकीथ्य नीया हनेकम उमरागा सा रंग पै वास पका
नपूजा लिजा ॥ ५ ॥ कालिक चेतन दास लाडा रंग हनके तहलहम
कनेमायीक ॥ ७ ॥ ॥ ॥ २ ॥ गुहे ॥ ॥ राग ॥ आसावरि ॥ चर्ति ॥
नाहलाला नाथ हे आनागती ॥ ध्रु ॥ धन जागि धन सिव खनख
साणी हो वसाहा चंद्रीनदि गंवन नदि कस्थ्य ॥ १ ॥ कूंति काट

कालि राग धाति आति पीहा वीख धलुषाय राला नैमै उमला
दवा ॥ २ ॥ कंकवाहू गल्य माला हुनि पति कीहा चूरी पंक्षा क
नापंक्षा नाग वाना वास्थ्य ॥ ३ ॥ वाहु हाथ शुप लीय दंव नवजा
हा चंडकलाजता धन उमापति नाच्य ॥ ४ ॥ दीग दाटि गदि गस्थ्ये
दीग नता नस्थ्ये दीग नता नस्थ्ये घूमी घूमी नाच्य ॥ ७ ॥ आदिपू
ष्ट जग नकउमा नकन्य शिवदास लाडा कहे सुन पसूपती ॥
॥ ७ ॥ ध्रु ॥ उस्तु २ ॥ ॥ राग ॥ वहागना ॥ चर्ति ॥ मोहनला
लजी कउन घट दषय ॥ ध्रु ॥ जमुना तीर वंसि धुनी सुनी स
खी जायी नहयन जाडा तछीन मय ॥ २ ॥ कपती उरध्या उम क

वहू हमना हुयी। अतज कीय अपप्रह हुय सपन ॥ २ ॥ क
हुय राजा दासी सुन हुय ग्वल वालजी ऊन मगय मत्री वेक
ने पाचवी ॥ ३ ॥ फ ॥ २१२ ॥ ७ ६४ ॥ ॥ राग ॥ वहा आचल
ति ॥ सायन सायजी लूम दुन हुनी ॥ १ ॥ ग्ववल वस पूया
वानि कया अति वान वालस अउ उनन सस इ बीक ॥ १ ॥
कदम वास दीक कगकया आस वान सिन वीज कीन नू
गलस लाक ॥ २ ॥ पूनष दका सयी मनी ग्वपि निआला कुल
आ दीसी झाकय हुन्भ विनाथ ॥ ३ ॥ फ ॥ २२० ॥ ७ ६४ ॥

॥ ॥ ॥

तन बल नहीं मन नौ निधि कौंवही हारगे जीया तानतु शुधि नहिं
केस्य नाम नां हमकारध्य ॥ २ ॥ जम इत फासी लीय बल पलक कि
नम्ब बाधन स्वाकाब बाजा नाम उमंन स्वरी दास हाल डान ॥
॥ ३ ॥ फ ॥ २२२ ॥ उ ४ ॥ ॥ राग बलाली ॥ बर्ति ॥ ग्वसाही कि
या माया कूड़ति कि घाल ॥ ध्रु ॥ यक बन भान्द कि रीमन बना
यी कत बैन्द कत पानी कत बन पिथी ॥ १ ॥ कत उग्यस मन्द कं
तन रुवन कत दव कत दाना कत तानागन ॥ २ ॥ कत झग बीन
गे बन षा कतन कत बूढ कत मरे कत जन्म जीजा ॥ ३ ॥ कत

२२२ ३।१४

ऋतु कदा नन्य कत य कषात कत जल जीजा हय थल जी
जा कत ॥ ४ ॥ कत विस्ता जा हय गुन जी ग्वसाही स्वोक तुम
सिघलाजा दास राजा तो ॥ ७ ॥ फ ॥ २२३ ॥ उ ४ ॥ ॥ ॥
॥ राग काफी ॥ श्रीकृष्ण राया धउ यात जानगु कृष्ण मी
या सतिषुन धउ यात जान ॥ थ गुहाला जा ॥ ताल स्वगु या मतीया
गु नन्द ठक्ष दा कलाल राज य कन्हैया लालजी ॥ १ ॥ मैं गृ जाता
ग्वभ कूल त्यास व धषना गेलजी ॥ २ ॥ दूद दही लूताय छ बालकन्है
या लालजी ॥ ३ ॥ म्वल ग्वालिनी दही कु जाता धूम म्वाचा चिजी

॥४॥ इद दही क नदि हावक लागिया लायिजी ॥ ज ॥ मल आप
आं पक्क क दही मा थ्य म्यब न्यायी ॥ ६ ॥ मा च्य ई श्य ब्य लय हा ज
य वा ल क लाल क ॥ ७ ॥ उ च्य स च क स नी हा ज य य क न स व न्य ॥
॥ ८ ॥ नन्द लाल क जय हा जय नन का क ऊ या ॥ ९ ॥ राउ दास क
ह्य हा थ क ह मा रो लाल जी ॥ १० ॥ ताल हाउ या म लियाउ ॥ ॥

॥ २२४ उ रु ४ ॥ राग ॥ भैरो सा नंग ॥ चर्चि ॥ चन न प न न्य
नमा नमा भूय जय भव लय जय जय दय ॥ ॥ जय भूनीत लू
पा जय भूनीत लूप्य भवि गत गत य जय भ विध्व लूप्य ॥ १ ॥ च

उ दस र ब न्य उम व्यापित भूय क न क ल्यान उ भ दास राधा पू
का य ॥ २ ॥ ऊ ॥ २२ ज उ रु ४ ॥ राग हिंडोल चली वीर
र न रूल जिइ ह्य स्वामी जी न्या लू मे व ल ॥ ॥ सा य ज ः
न्या व्या प उ स ग स पू ल ष ग र थ न लि र थ स्य ज्ञा स द स स व पा या
ह स्य स म ल ण जी न रि म स्थं ॥ १ ॥ जा स उ ज उ ज ह न य त्य स्वा
मि न ना ता उ ज न न का स स्व य न पा ता ल न्या र थ स्य थ सा य न ध्व
र्ज भ न र थ ॥ २ ॥ स्वा उ चि ह्न रु सै दा य क स्य ज भ दा ल लि उ न थ
र स स या ध र्म्म न वि का न उ स्य ग र थ न या न स उ न्न ॥ ३ ॥

प्याक थस सामच्छ पूलास्य चापन दायक ईचास्य त्रासनगुनल
मूकानिस्य हायपान छाइष सीस्य ॥ ४ ॥ क्रासद्स थ्छ लिसहस
वनेज लीनक याकस्य क्रासस मि निम्न दकस्य निपामउाय मन
तस्य ॥ ५ ॥ पूजूषया धर्म्म मेइछ ले मिंषूद वेसस उमतस्य स मि
तियाउा चान क्रासद जिन दउाया स्यउाम यास्य ॥ ६ ॥ दछ उाना
कलमउाछ ले चक्रीन थ पाल षायोन वालीवाल मसकाल तस्य
गुन याउषलमछस्य ॥ ७ ॥ स्थ दनेष्वालमष नस्य उाम लकास
सका उउास्य स्वानमालाउा किग्व ज्ञान स्य दव पूजाया ननाउास

॥ ८ ॥ स्वानपाल चिय स्वाविलस्य स्वामि या चिपनय मद स्य न
या स्थमहं गहीलस्य क्रिकीहनेन दछिलस्य ॥ ९ ॥ भूवला
या भूमिइषलस्य विनति स्थमपती छायास्य थ उपतिस्वो
कछस्य कीहा मास नेदका ज्ञास्य ॥ १० ॥ लोकभन क्रासलल
छस्य भूवलायाम पूनयास्य छछ श्रीरिमस नकीन्वा वीजा
यानजी काउवीस ॥ ११ ॥ दोस हाउ नन लोक छस्य श्रीरीम
सनवी कका स्य धन जानाउा कीहा मास न्य रीम स्यनया नाम
कास्य ॥ १२ ॥ कीहाजया पूजाथनयास्य सकस्य हाउनकउा

स्य धर्म्म कर्म्म याय सासन निष्कर्ष सर्व धर्म्म ॥ १३ ॥ फ ॥
॥ २२७ ॥ गुरु ॥ ॥ राग ॥ मालश्री ॥ सुरी ॥ गनपती विघ्न्य
दान निर्द्धि सिद्धी ॥ ध्रु ॥ पीथ गुली दग ऋन सकल गनप
ती लाल पति छस गनपती पिंथ गुली रवेनसे पूजा ध्रुपाथ
मरुय छिवि नान मइ गनपती ॥ १ ॥ सेसा लैयो आसा छिक
सुद्धि तिसा गेनपती सागागुन विउ पनपती ॥ २ ॥ फ ॥ २२८ ॥
गुरु ॥ ॥ राग ॥ मालश्री ॥ सुरी ॥ जगतकी जननी रुद्रा
नी श्रीभवनी ॥ ध्रु ॥ दवि सिंह चढि करी चतुभुज भेषा ॥

नदेय दानी दल सवमानी देय गुरु निगुरुक माहा ध
कन मानी जयजय भगवती उही ॥ १ ॥ दव सव हनषकी
धन्य जय चंदि काली सदा दाहि उमनहु दवी दवीदास रा
ध कह असनक मोन करी सुनन नपनवुहाहि नी ॥ २ ॥
फ ॥ २२९ ॥ गुरु ॥ ॥ राग ॥ मालश्री ॥ बंदति ॥ माता काली
का अली रुयेकन कपत उमछस इवान देय स्वाथ बहुहियको
ध पाल देय यक्या फल स्वहन ॥ १ ॥ कोति कोतियो ल्याव काय
मुहदयित अहीस्व लाडा का स्याछाडा न स्याछान स्याछान उ
ती लाडा लाडा देय असनन ॥ २ ॥ हीनषछुछा लान पनव

त झूलया लग्य चालन रुक्क नह लर्क विज सा छहि कुति मिक्क
झूदेय उपझूत ॥ ३ ॥ काली का धन भला याता नही हि कुति क
कुती वसम लाक स्यह नर्क विज सित दवी हुत षन मंगलहा
लह ॥ ४ ॥ लप्य श्री नेह वाहा इत साह नृपति यामन पूनेया का
लिकाह झाक लाडा दास छ छ दवी छिन स्ट्री छि तयाहा
॥ ७ ॥ ॥ २२९ ॥ उ ९४ ॥ ॥ राग मालवी ॥ प्रता नंदीक गी
ती वंदीक षदग भ्रत्री नी सिंह वाहिनी जागिनी गनप्रकास्य गी
ती ॥ कुं ॥ मारु का गनक तिक रूपक धनक महष्वरीक ॥ अन

कुरूप दवी हुउसनी कुहि माथिह जुक्क ॥ गीती ॥ १ ॥ कंत क
नामक दवी झूसक कंत क नाम देत क कंत देत क मान क
नग सूनी सवद उंकात गीती ॥ २ ॥ दानव झूसक टुक टुक क
देयक दल मानक षपन हनक वृद्धि नकंत पिक चमेक का
लिक ॥ गीती ॥ ३ ॥ वीकत मानक धात कनक कस क रुयलाय
क दूध क जाय क नष्ट सवक मात्री काली हनषक ॥ गीती ॥
॥ ४ ॥ नषवाहाई क दाहिनेहा क कालिक उमन हक नंदीनी क
दास लाडा कहय सूना जकी उधा नक ॥ गीती ॥ ७ ॥ ॥ उ ९४ ॥

॥ नाम ॥ मालश्री ॥ लैता ॥ माहीमायिह वरज
आगीनी माहामायिह उर्गमात्रा सिंधिनी व्याधिनी जउस बः
उस तयाउ त्रती हर्षे वीश्वाक ॥ ध्रु ॥ ऐनव हरु तया आगी
नीगेन लीत का देवी बाठश्च मनिबू पर्वत सुखेषु पूत समस्त
रत्न रमूनी मान याक ॥ १ ॥ भूरय वर दानै दान वीउ देवीन
कनूना देयातस्य श्च पतित उधारन नाम इ याउ बाठ ज
गगउ श्मन देवीयाक ॥ २ ॥ श्वाकम्म रुउ दास ठठ जननीइ
षया षश्वा भूसीथ विइ निदनसन त्रिलवन नानी जयथकू

नानी कृपायाठ ॥ ३ ॥ फ ॥ २३१ ॥ ३० ॥ नाग ॥ राज
विजय ॥ यकताल ॥ माहामाया कालि लूमधिया रवानी भू
तीश्वाक वयु लिउ रगतस इहती ॥ ध्रु ॥ वीयतिन लिन
जीत संयती विउ छिन इषनसि लिउ लीउ सुषलातका
वीउ ॥ १ ॥ सउ लिन सायमहु सुष्टीष्टी देवी साउ याउ जगनम
जील जीगु इगुनी वीउ ॥ २ ॥ वीया तया काय मइ वियकावी
यमाल भूषतन लात थनी कंथ लात काउ विउ ॥ ३ ॥ वाकनी
न नीम्य रुल चाकनी वियम्वाल थउ साहवन लात वीउ ध

कछिं धाउ ॥ ४ ॥ धनी धनम कनम छनया जिन साउ जमकिं
कलन चि ॥ कालिग्व हालि वीउ ॥ ॥ आस नान उाय धूनह
नसा छिकं तस्य जिपोपिया थस दवी उधानया वीउ ॥ ॥
राउ दास ला काछ कालिका मोयी कीन भव मइ छिना
न अकको सया गती ॥ न ॥ ॥ २३२ ॥ ॥ राग ॥ राजवि
जय ॥ पताल ॥ वनन सनन विउ विष्ट ऐयी नव पवी लियार
यी नव नाथहं ॥ ॥ जागि निह तग नलि तका उदी क वाग
मति निन सविअक ॥ १ ॥ जिन ध्व पच दस हिला विचा सयाक

वय नीउ कस थ सं खाक ॥ २ ॥ मन हन मन जग तउ धा नन
कीवि नान मइ कुपा योक ॥ ३ ॥ दया तया लग तप नीन छाया
क छिपा लिस सउम जीन याक ॥ ४ ॥ माया माउ सारु क्रोध
काम अधर्म थू मीसन जीग ताल तक ॥ ५ ॥ ध्व त्रीया र
जन जिन याय दयक थू लिव नदान विउ गसक ॥ ६ ॥ राउ दा
स याविनति छछ ऐनव पापि दुष धान कीयाक ॥ ७ ॥ ॥ २३३ ॥
पुरध ॥ ॥ राग ॥ नामकरी ॥ वजति ॥ ॥ जय कर्मलवानीको
थ पिथीवी आक ॥ ॥ राग मति तिन सस ऐयी नव पूर्व तस्य द

वीगन लिन काडा मन नसे चाह मायी ॥ १ ॥ कानि जिवि नति ६६
सीसा लया इष भूती लमल पि इष हुन काडा जर्क यामायी ॥ २ ॥
लाडा दास याम नसे दवी दन सन लाय तला हुपा दर्दिय मनी
वष काडा मायी ॥ ३ ॥ फ्र २३४ ॥ उ ६४ ॥ नाम ॥ राजविजय
॥ वाता ॥ सुथ दन नाम कासा हत्रि हन गंग धसा वछि झिकी या
पा पहु कसा मन धाज नमे यासा दव भूती भूसी हसा स्वाक
लाक वीहुं सी वधसा ॥ १ ॥ वाग मती माल हूसा दवे पूजाहि
क यासा जय तप थिन मन तसा तन मन सुभ हसा हाडा

ली वियी आसा पून यायि श्या एर्कि हसा ॥ २ ॥ पंच नानी ६ घू
सीसा ठाम माहा दव सासा दक पाप हूयि एम घ यासा जल
ध्वन हास मासा एन ध्व नन धीसा अप नध्व नचा काह को
सा ॥ ३ ॥ पन मंध्व नया तसा कूल ध्व न मूर्कि विसा दया कपाड
गनाथ तसा पून जन्म मूम्वा कूसा लाडा दोसे झाडु घीसा ६०४
नीन पन यो वीसा ॥ ४ ॥ फ्र २३५ ॥ उ ६४ ॥ नाग काला
पता ॥ नीन वन्ना ही तषू तीथ मायी ॥ ध्रु ॥ जागिनि लिन काडा
सिमान कूय काडा नसन थमे विश्या काडा सायन एर्क नवे

निशा.भूती.क्षाक.दयी.स्य.दका.माव.कूउ॥ १ ॥ एगन.पनी.यशा.
कनूनाद्दयाराजा.हानागु.पूनै.याहा.वीशा.झाक.भ्र.राशा.दा
स.छीयाली.दन.सन.वीरू.निशु.दीस्ति.याशा॥ २ ॥ ऊ ॥ २३ ॥
गुरु ४ ॥ ॥ नाग ॥ एथ्याहानी ॥ छमा ॥ माता कालि.कैरव:
ध्वनी.विशा.भ्रासा.हु ॥ ऊ ॥ सद्दीस्ति.सासा.छीन.जिवैसा.इ
घनतानकसा.विपतीइसा.सैपति.तीसा.वालषछीछ.शा:
घसा.हु.माता ॥ १ ॥ वयनीडीसा.नयया.नसा.सउल.हूनकू
सा.रयइलसा.लषय.यासा.कालिका.यादया.दसा.हु माता.

॥ २ ॥ पायन.क्षसा.पाहूकि.दसा.धर्म्मकर्म्मया.कूसा.मलिमया
सा.लिगुयाकूसा.ग्यानस.इहिनो.वीसा.हु.माता ॥ ३ ॥ जमयापा
सा.मकून.कूसा.नवक.मई.कूसा.मशाले.ग्यसा.साक्षिन.म्वासा.
जमनमथीयकसा.हु.माता ॥ ४ ॥ ग्रयाग.नसा.लिहूकं.मासा.
रगनी.लिक.यासा.वेपलषसा.सीवूम्वाक.सा.झाक.भ्र.राशा.
दासहु.माता ॥ ऊ ॥ ऊ ॥ २३ ॥ गुरु ४ ॥ ॥ नाग ॥ नन ॥ ता गद ॥
माहामाया.जागिनी.गैसगुपिथूना.वान.लूती.क्षड्वनी.लूति.
दवी.विष्कमनि.धीसै ॥ १ ॥ वूड.धनाजिथ.गधे.वूदथू.का:

ति लीग जंबूदीपया कहुवीत्र थ्व म्ह कुम्ह झकं ॥ २ ॥ माहा
देव रुगवती विद्याधुदेवी वाठ अन्यक देवगन लिका लू
तीथवी झकं ॥ ३ ॥ सीसालन रुजलाथ्व ॐ ध्वनी याचनन रु
रुकयामन पूत्र याठा वीडा सदाकाल ॥ ४ ॥ राडादास झाक
ठठ माहा पुन्य कुगत्र सडामयातन मन देवी सक्क जिमी
सन ॥ ज ॥ झ ॥ २३८ ॥ उर्ई ४ ॥ ॥ राग ॥ पुथमी जलि ॥ धना ॥
याझस ॥ पासापनी मन कला काला रुलू डाम याझ्या
झ्यापति स्यडम याझस ॥ ६ ॥ जग गया मामसक जिसे रुज

तपगीत्री नंदी नीकू झात्री चंदी काली स्यडम ॥ याझस ॥
॥ १ ॥ मिमी सन सिसा स्वान रुका जानो डान थमी हुथपु
जायाय राडा रुकी गया याझस ॥ २ ॥ दापाथाय मेरालो
डा जप तप याय दडा उल झये माल तन मन याठा ॥ या
झस ॥ ३ ॥ झाक राडादास बडा स्यडम झयरिडा मिजी म
ने पूत्र योठ हान पासा नूया याझस ॥ ४ ॥ झ ॥ २३९ ॥ उर्ई ॥
राग ॥ पहरीया ॥ ४ ॥ माधव सबके साहु उहि जगतके
नाथ ॥ ६ ॥ रुगडमन रुगतवसल कनन राडादास कह

गपूकान ॥ २४० ॥ झ ॥ ग्वदा ॥ झ ॥ उ ए ४ ॥ ॥ राग ॥ सारंग ॥ च
उमान ॥ ग्वदा ॥ ॥ श्रीहरि सेकरै उमउधारन कुजगत क
म्याक एव सागरनेरा ॥ ॥ चौरासि आनि म्वजन्म छोरा ॥ ग
जादास क ॥ झ ॥ २४१ ॥ उ ए ४ ॥ ॥ राग ॥ रामेरी ॥ साता ॥ श्री
कृष्ण के आरती की ॥ छ ॥ जनादन मुकुंद मोहन लाल
के उलती नारायन एजा रायी ॥ १ ॥ गोविंदा मुरारी
लालवीहारी के गलम्व वनमाली जयंती की ॥ २ ॥ एजादा
स रमजाय आरती हरी के सुमीरा नन्दलाल सबका ही

॥ ३ ॥ झ ॥ २४२ ॥ उ ए ४ ॥ ॥ राग ॥ मालूधनाश्री ॥ यकता
रमविंद एजन याउ आरती नमा ॥ छ ॥ रमोइइ लडीचल
पूया नायक रुका नल लूथया रा ॥ १ ॥ कलीस कृष्ण के
लीया नायक मिषू छाल ग्वर्पि लीक ॥ २ ॥ रमापिनी दका
यो प्रानया नायक थडा बूसी नस याक ॥ ३ ॥ पृथियाल
नक तायगु नायक इस दका कस्याक ॥ ४ ॥ पापिन
दकाया पापहू की दक जगत उधल याक ॥ ५ ॥ श्रीकृ
ष्ण यादास लाडन झाक कृष्ण नाम काडा साक ॥ ६ ॥
॥ झ ॥ २४३ ॥ उ ए ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ उ ए ॥

रागमालधनाश्री॥ षडतीताल॥ ध्रुपद दासक विंतिक
ना॥ ध्रु॥ रमकूल छागय रमोडा सव छान गये थाकू न
दासक छान ध्रुपद॥ १॥ यगनी रमोडाक हम सव चनाडा
ग नाहि सक चनाडान ध्रुपद॥ २॥ रमे चला ताडान घा
तानली कछ दष रमे वालन लाला सन ध्रुपद॥ ३॥ इद का
इहयी यीउसव काका धयी स्याम भूडा रमे चनाडा ध्रु
पद॥ ४॥ मथूना नायिक लालि नहि मन थाकू स्याम उ
द वाला यिस्या ध्रुपद॥ ५॥ राजादा सकह विनतिकि

सन उरधा दन सन कष्ट ध्रुपद॥ ६॥ ध्रु॥ २४४॥ गुही
राग सानथ उगा स्वनस कवही लली हम नाहि॥ ध्रु॥ वीरू
सी चम कन भूजानद षेत गेन जय घन घोन पानी वन सन पड
नछ लन विन्दा वंन हि स्याम सेग॥ १॥ रीनन सम कन वूद पन
नन स्याय वाह पक नक स्याम हम पन कपा नक नन साडान म
हि ना स्वसषि॥ २॥ कहय राजा दासी सन ग्वपिनाथ व्रषा नान
नाहि नन छाति माति नदि कालिं दिव छन षनमा यानी नहि
हन॥ ३॥ ध्रु॥ २४५॥ गुही॥ राग॥ हिंडाल॥ चर्ति॥ साव धी

हान मानू जनम सागर तरा ॥ ध्रु ॥ लाख चउरासी जानिम्या हर
के हरके जन्मा जती सती तन मन यतिन नाहि जनम्या ॥ १ ॥
दान कीय स्वारथ गता रम्ब पापकीय सा जूता रम्ब पर पीडा कर
जूता रम्ब उपकारी नीना जनम्या ॥ २ ॥ माया मोह लोभ क्रोध क काम
मूध मक छाना हरीहर नाम सुनिया सागर पार तरस्य ॥
॥ ३ ॥ लाडा दास कहे सुन हो मानू जन कथि सुन्या मिथि पाडा
नाम नाम क जमके हासि छानास्य ॥ ४ ॥ ध्रु ॥ २४ ॥ उ ॥ ३४ ॥
राम ॥ हिंडोल ॥ चौताल ॥ थाकूर केहाति लाथि चल जगनाथ स

मिया थाकूर कहाती ॥ ध्रु ॥ गगन क सदा बुलि बाय नाम क उन
क घर नही रूजन क रीका नाम नाडाले ना नित उथि तजाना ॥
॥ १ ॥ धर्म्म क नाडा पर वेथ सागर जाग जाय लायी हिथ बुतक
का दानपुन्य कुना मूथान नाला जाना ॥ २ ॥ मूथान नाना बोकि
क क नाषत वेथ उपासक नी षकुपर लग्म डाहीवाला
गम बूसि नाडी हाजाग ॥ ३ ॥ नाकत सिह दन डाजा क्रोदीया पूग
हुहईलायी दंदडात क्रका दनसन क ना जगीनाथ स्वामिका ॥
॥ ४ ॥ कहे दास हाडा क पर पूरूघाती डाह जगीना पतिनउ

श्रन एवसागन कज गंनाथ कृपाना ॥ ज ॥ फ ॥ २४८ ॥ उ ॥ ४ ॥
रागा ॥ हिंडोल ॥ चर्ति ॥ वाहाजानी वांक सिपाही का मानजानी
॥ ध्रु ॥ आरंभपा कुयक तन नग नाही दखान मानक अ वहुहा हागी
॥ १ ॥ रवाय यानी मक मनय विना नाक अ वापदादा कुहुक नी ग
यी ॥ २ ॥ काहुक नाहक जीजांका दत यामन यानन जीडा रव वदा
नी ॥ ३ ॥ उ आरंग चलाडा तउमन पिक हमान उ आरंग मापीहु
हममानी ॥ ४ ॥ इनन मान कि इडायसाथ मनरंगे रग वती श्वा:
हु इकदियी ॥ ज ॥ दविक दास लाडा कहे सुना लायिन पी कुपग

नाहि दसिपाही ॥ उ ॥ फ ॥ २४८ ॥ उ ॥ ४ ॥ रागा ॥ वसंक ॥ पता
मनडानी डायाक जिवान क्रिनसखी ॥ ध्रु ॥ आयि आयि हिंडथ
नी हुलमजा कुनि चापय हुल जडुहन डानस्वडासीनि ॥ १ ॥
थूलिमक्कि विनति जी श्वाठ क्रिन हनि अवलाया मन पूरया
डा कानूहनी ॥ २ ॥ हनी हनी पदहुया धर्म्ममइस्वनी लाडो दासि
याना उभय मन क्रिन भूली ॥ ३ ॥ फ ॥ २४२ ॥ उ ॥ ॥ रागा ॥
वसंक ॥ पता ॥ सव चली स्वली वन हुलना निल्यायी ॥ ध्रु ॥ वसंगस
मयस्वी नाना हुल हुली वन वलि कंगन की सव रंग हुली ॥ १ ॥

वनी वनी फूलनानी आपआपमानी। काहिमानि फूल लगी भ
रिछाति फूली॥ २॥ सखि दखि भरिछाति कविक ऊजेसी प
कि नहि दुख हाति स्यामक दषायी॥ ३॥ पगभरी काधलगी
चलीनहिजाति पूछुमन वालासखी जवहमवची॥ ४॥ सुनि
तन कहुआयी नारध्यक ग्वदली। पगकाधनिकालली तन
इनदखी॥ ५॥ नारध्यक कहुनसकनी वनकुदाखली। सवनस
नगहाली कुतनन्ही॥ ६॥ राजा दासि कहुयकी प्रानभमिन
षी प्रसमन कहुजाही भूजानहिकाही॥ ७॥ फ॥ २५०॥ उ॥

रागवसंक॥ उना॥ हुप्रसहु जानमनजीपनि उम राजा॥
॥ क॥ चानगरथथनि जिजा यकालजा। चाकहान थजायस्थ
नसंगयाजा॥ १॥ वक्किहुन दक्कि जिजा क्किविनाजा। चित
क्किके मनजास्य सहयामकुजा॥ २॥ दासि राजा काकहुजा
कान हुजा मिसाजाति यामंत स्य यस्थक्कि नथजा॥ ३॥ फ॥
॥ २५१॥ उ॥ ॥ रागवसंक॥ उना॥ हा सीखलि मनि
जायप्रसजि हमारी॥ क॥ लकुमिनि पकुनषि कथनिम
वाहिनकनहि हुजा जानि दषसखी ग्वपिसवदखनहि वा

हिनक आडायगी पिचकानि मूख पतीलायी ॥१॥ रुनिरु
निपिचकानि लियलीयकुयल अगन चूडा अविनगुलाली
नचमग गसडागन रागु सवखलि नही डाहि विचपुरुके
सिजायी ॥२॥ वजगन मृदंगकि मिथिवालि सुनिगन न
हिनजाडुम हुमचली कहयक राडादासि पूकोनमिहा
लिखलि सवनसनंगकनि आयि ॥३॥ फ ॥२ ज ॥उ ॥८ ॥
रोग ॥ वैक्षा ॥ ॥साडाहय स्वामिन आक साहाजि लाख
नय साडाहाकू रखालडाया नूय ॥ छ ॥ लक्षि आमाइ छिन
न न सा

नैलातजिन आडा लखाकायावलेक्षाया खालजिन सायन ॥१॥
जिववामाम हुननै छायमव्वयाडा फापाछयाविय डासा घ
सुखालला छूनै ॥२॥ सहयाधास सानन न्याकंकपतीडा हु
काहकाडा छूसता चाक्ष थडामातन ॥३॥ थडाछि लाडा वानि
न मिखानिखहिडा साहयानाडाडाजाना मिखासिक लातन
॥४॥ यथयाडाडा सनिन वानिमहिंछिडा पतपूस्य घसपू
स्य वानछिन वानिन ॥ ज ॥ मरुयाक्षयमइन मिसा भूवसो
डा दासीराडा फाकछस वायमत जिडान ॥ ३ ॥ शुरु ॥ २ ज ॥

र नाग ॥ वसंत ॥ लालमन, पूसामि, छीन, दछाबाछा, कनभ, बा
नहाऊं लाइ थनिछन ॥ छ ॥ पिनयाखापा, खनभ, लालजिन
सउ, भ्महानया, सलताया, कथाइनजानभ ॥ १ ॥ लूहीहाल,
खवपतिभ, वानासलिचाउ, लासालाया, विउखना, भाइचूक
हिंगुभ ॥ २ ॥ वयपा, साक, लिकभ, खउ, उास, कूउ, लाकू इइ
हिंगु, लभउ, थउायकनलभ ॥ ३ ॥ थूलिया, धूलिया, खयधू
नाभ, लिपकलउाल, थूगुरुनसहमिसा, मतसनकायभ ॥
॥ ४ ॥ फ ॥ रजट ॥ उरु४ ॥ ॥ नाग ॥ रेनव ॥ वेधा ॥ माधव

किनीदखूलिनाहि, हाभख्य, उधव, उथायी ॥ छ ॥ मकमोउथ
गठ, कूकूजि, दषटट, मखपभ, सिंइगमजलीगी, गंगमजल
ल्याय, मखानविंइधाय, उधव, कभ, लमाल, पूछी ॥ १ ॥ ज
वसनहमत, पहकाद, नहीन, कनरहक, लोक, सवआयी,
कहगोदास, खपाल, खविचक, जगत, उहु, नाथनिहारी,
॥ २ ॥ फ ॥ रजट ॥ उरु४ ॥ ॥ नाग ॥ पनज ॥ वेलि ॥ संकन, ह
नखं, देवनू, वाजतं, जिमजिमजिम कन, कनत थूगदीम छ
नाचतता, नाचतता, घूमीत, घूमीत, काटमालि, लियीगमउा

न.गीतत्व ॥ १ ॥ हालानाथ.सवकय.गतउहिकुयी.कहयक.
गउाँदास.कछरतहिंहिव ॥ २ ॥ फ ॥ २५० ॥ उ ४ ॥ ॥ नाम ॥ ना
ऊविजय ॥ वंक्ष ॥ कोनगति.मोना.दखजन नी.माहामाया ॥ ध्रु ॥
कवनम.कनम.सवम्वनकम.काठि काठि अपनाउ केल ॥ १ ॥
घनमक.कनम.कछू.नहि किय्ल.लाहरल.लीनगसव रवाथि
॥ २ ॥ नकवक.उुआवननक.दहामक.कवहीहा.उम ॥ ३ ॥
कहयक.गउाक.कंगकहइख.हुएवानि.हुनमनइख ॥ ४ ॥

उुआवनलकक सउमक नामक.नाखिनहा.एगवगीउला ॥
ज ॥ फ ॥ २५१ ॥ उ ४ ॥ ॥ नाग ॥ नाजविजय ॥ वंक्ष ॥ ठहुन
एवानि.काग.विनतिजीपापिया ॥ ध्रु ॥ गननम.खनन.ति
नथसनान.छिपालिया.वलनिन.गमक ॥ १ ॥ अखदकः
हुगक.विउाछिनकंथ.पापदक.हुगकक्काउ ॥ २ ॥
दकरवनसस.मइजिगथास.वासतिउाछिचनमका
स ॥ ३ ॥ मननम.मकठन.अतिइःखझाक.याउाहनि
दविजिउधाल ॥ ४ ॥ थूगुजन्म.एगान.यकइख.सील.

लीपजन्म.खवलस.म्वाक॥ज॥फ॥२६२॥७९४॥ ॥नाग
॥कादत्रा॥सर्ग॥कयजय.मानी.रुवानी.स्यतवाहि.मानष्व
री.अरुयबनदानी.कल्यानी॥फ॥दानव.इष्टकि.विनासि
नि.एर्कप्रतिपालिनिह.गेलमंतु माला.हाथषप्रसाथस्त
तगनह॥१॥ब्रंतकि.तानानि.कस्तइर्ष.रुयहनानीदविह:
जागजागिरूपा.जागिरूपीजागमायाहुहि॥२॥एाउादो
सकही.सनिसयि.हगवतिदयानिह.काटि.अपराध.माप
कन.वासघनसानह॥३॥फ॥२६३॥७९४॥ ॥

रनाग॥वलासी॥उमा॥हमायीस्यतवानाही.मानष्वरी.पासि
माकास.नसनेविष्ट.कजागिनी.लितकस्य॥फ॥प्रमावति.खू
सि.वसिधनदी.निगूलिदधूसपीथन.वेजराउा.मामचास:
ल.दिगुल.वालसूखि.हुआतस्य॥१॥उतनदिगंस.नामपन
कास.पगूलि.पीथयाइनन॥ॐ.सुधनसिवसिसे.जलाधा:
त्रिरुगतपनिस.जास्य॥२॥विनलिहहूनछिचनहगती.वि
जाजिनरुवानि.छिनन.नहवहाइन.नृपतिनहाक.जगतड
धनयास्य॥३॥फ॥२६४॥७९४॥ ॥नाग॥काहिं॥चर्ति॥

खलग वन गयी नही नप्पा न ॥ ६ ॥ चानूपहन गयी अगनन ह
मनही सामस्य पन आय आय आय आय आय आय आय आ
य ॥ १ ॥ धाउ गचली आयी मिलनं प्रस्य ही आउ धन चल
मन मन मन मन मन मन मन मन मन ॥ २ ॥ प्रानपियानिमनी
मनन विनति उही वानक छ कह मिथि मिथि मिथि मिथि मिथि
मिथि मिथि मिथि मिथि मिथि ॥ ३ ॥ पानषूस वायकी पकी पकि आ
पन खी दखस्व मन मउम मउम मउम मउम मउम मउम मउम
मउम ॥ ४ ॥ रुक्मिदास पालकी लरकन मागि ईदी स्यामचलच

ध्व घन घन घन घन घन घन घन घन ॥ ७ ॥ पलंग कनकी उ
पन स्याम खुली संग हमन ध्व ध्व ध्व ध्व ध्व ध्व ध्व ध्व
ध्व ध्व ध्व ध्व ध्व ॥ ७ ॥ आन घास नक की उम मज नगिल ज
सी स्याम हम इना खुलि खुलि खुलि खुलि खुलि खुलि खुलि खुलि
॥ ८ ॥ साहब कन गीजे वेल हहे मखू सी नागदीन कन नस नस
नस नस नस नस नस नस नस ॥ ८ ॥ कहत रुक्मदासी कं प्रहरंग
पिनाथ नखमकं नाह चन हा सनन पन नहल कन हम ॥ २ ॥
फ ॥ २ ७ ॥ उरु ४ ॥ ॥ राग ॥ रिंपनास ॥ प्रता ॥ मंगलकन ज

गदंबी जयदवी ॥ ६ ॥ गिरीनंदिनि कुमारि तैलोक्यानी रु
वानिजननी तुमही ॥ १ ॥ नउदुर्ग नउकोटि जोगीनी तुही
नवनिधि अरु सिद्धि तुही ॥ २ ॥ नवग्रह नागह खतीसको
टि देव सबकी रूप तुही ॥ ३ ॥ कालव नाजि उ सब कमाया रू
पी अंतकालकाली तुमही ॥ ४ ॥ दवीदास लउ कहु श्री चंडि
मायी नाषनिहाननि तुमही ॥ ७ ॥ ऊ ॥ २ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ४ ॥

रागु ॥ ॥ पूजादम ॥ रुजलपमिमीस्यन दगूलपू जाया मा
लदक ग्वस्तिमूनाइस्थपूस्थदसीकालनू ॥ १ ॥ म्रति म्रति दाम

जाकी ह्लायमालकह सूथनउलनहु पां दिनमूकलतियाकू
हू ॥ २ ॥ वयपिजकंसलता चाताजालेपासा ठाताजालेस्वाय
मोह्ला उपदयकंहकाउडानू ॥ ३ ॥ हिंनकस्वयाडाघाडा वाहा
नचालस यनमाडातायिनस मिसदगूलसताकिनू ॥ ४ ॥ सप
तरुथिकंअति निखलयाविल मिखतलजालकूह्ला उभाउ पाउ
मदंगीघानू ॥ ऊ ॥ अइउलकलंपकी पंचपता दिसि चिलजा
लनमालह्ला सिसावूसा हिंहिंदेकिनू ॥ ६ ॥ लिलसिरंध्रे माल
इजा निगनिकहिया छसकहिंनवथीलाजासनिकगूसिती
जानू ॥ ७ ॥ मधिचधिजालकूह्ला सकतीजालन हिनकदयकि:

घासा श्रीथिमिथियामगंधान्॥८॥थउाइगूउासहिंग इथ्य
नपूनाउा मूचाबाचा श्रीदलपो तिसानतियकाउानन्॥९॥
ऊंजमका क्रोखाग्म किकीपाम उक लयाखगसधगश्रीत
यातिसादकातिकंन्॥१०॥धूपदिपमस्यालच्या थकाल्लिः
नाकूल मिंजंपनिक्रंगया पत्रिउमत्सकलंनन्॥११॥
पूजाउोलि पूजायाक थकूलनिखिता रथ्य ठसखरत्नपू
जा विधिकर्मयामालन्॥१२॥कायमचा रलिमचा लस
घसयाना इनवानद गूलसदनसनयातकिंउान्॥१३॥

थकालिकथनजप्य यक्षाभ्रतिकाय किंग्वलनपूजायायम
नकामनाखानाकान्॥१४॥पूजाधूनकास्वीकाका थकालि
कथन चिथंतियस्वानकामा केजिंथजीसिउमयायन्॥१५॥
पूनूखानयाठाउाकोयायधूनकाउा थमंवयपाउाहकोद
कोक्कायाराजनयन्॥१६॥नूउालितविग्याकिंउा मूस्यासः
ग्यानाउा वालससरथेनकाउा लीरथ्यपूजायाठांकंउांन्
॥१७॥पहूखस्किदक्कलना पालवोवियाउा यगूसकविदाको
या थउानजगमलयाउान्॥१८॥नलवाहाइनसाह निपतिन
क्राक राउादास नविनती खगूआकठठलाकन्॥१९॥नाथाखं

धुपनेबुद्ध सातसमुद्रन मिति दिष्ट अवतार पूछि सेवउम
सत्थाखून ॥ २० ॥ फ ॥ ओंकार ॥ २७८ ॥ राग ॥ कहनूवा ॥ १ ॥
जाननाखिले मायाअ यार प्यार ॥ छ ॥ इनदस दखतजनद
तैंधूउम किनानि कालि तनी ॥ १ ॥ वनि वनि आखकि सुन
त तहाना मृगकि जैसिनैनी ॥ २ ॥ तनि इन सुनकी कतहुन
नही छूजाती मकनागी ॥ ३ ॥ पकि पकि थलक इरथ्मन उल्य
यि वहुत नस आयी ॥ ४ ॥ उकलैवि मछनि सहुगमतल्यायि
अटलि काथिपथी ॥ ५ ॥ कथ त्रिकि हितनि खलत तनही म

छनि मनिगयी ॥ ६ ॥ चातलगी चारुयी सिनछुतिगयी निक
सिसवमीनी ॥ ७ ॥ घसिघसिजाखदी सुमयि जिआगी जाख
दी उमदयी ॥ ८ ॥ फ ॥ २७८ ॥ ओंकार ॥ राग ॥ कहनूवा ॥
वानन लाखि स्यास्यया औरंग्यन ॥ छ ॥ छननूप औरन
खछन मतछा उमयछो थनि जीछो ॥ १ ॥ रुनि रुनि हाकू लखा
लछ मतछा घसपू नाछातयो ॥ २ ॥ छिसिछि लिरुमभ छ छा मू
सुक मतछा छूउसिछाउ अूती ॥ ३ ॥ मनिमहि छनकै कछ
न मतछा खक उपूपूअन ॥ ४ ॥ मछिमछि अूवासिछिनकि
मतछा हिनकतिकी जीन ॥ ५ ॥ पूनिपूनि हाकल तातापा मतछा हा

मत.हाकवल ॥६॥ वाहमिखा.राजान.सजन.मतहा.मूद स.१७४
हजीत ॥७॥ ॥८॥ ॥९॥ ॥१०॥ ॥११॥ ॥१२॥ ॥१३॥ ॥१४॥ ॥१५॥ ॥१६॥ ॥१७॥ ॥१८॥ ॥१९॥ ॥२०॥ ॥२१॥ ॥२२॥ ॥२३॥ ॥२४॥ ॥२५॥ ॥२६॥ ॥२७॥ ॥२८॥ ॥२९॥ ॥३०॥ ॥३१॥ ॥३२॥ ॥३३॥ ॥३४॥ ॥३५॥ ॥३६॥ ॥३७॥ ॥३८॥ ॥३९॥ ॥४०॥ ॥४१॥ ॥४२॥ ॥४३॥ ॥४४॥ ॥४५॥ ॥४६॥ ॥४७॥ ॥४८॥ ॥४९॥ ॥५०॥ ॥५१॥ ॥५२॥ ॥५३॥ ॥५४॥ ॥५५॥ ॥५६॥ ॥५७॥ ॥५८॥ ॥५९॥ ॥६०॥ ॥६१॥ ॥६२॥ ॥६३॥ ॥६४॥ ॥६५॥ ॥६६॥ ॥६७॥ ॥६८॥ ॥६९॥ ॥७०॥ ॥७१॥ ॥७२॥ ॥७३॥ ॥७४॥ ॥७५॥ ॥७६॥ ॥७७॥ ॥७८॥ ॥७९॥ ॥८०॥ ॥८१॥ ॥८२॥ ॥८३॥ ॥८४॥ ॥८५॥ ॥८६॥ ॥८७॥ ॥८८॥ ॥८९॥ ॥९०॥ ॥९१॥ ॥९२॥ ॥९३॥ ॥९४॥ ॥९५॥ ॥९६॥ ॥९७॥ ॥९८॥ ॥९९॥ ॥१००॥ ॥१०१॥ ॥१०२॥ ॥१०३॥ ॥१०४॥ ॥१०५॥ ॥१०६॥ ॥१०७॥ ॥१०८॥ ॥१०९॥ ॥११०॥ ॥१११॥ ॥११२॥ ॥११३॥ ॥११४॥ ॥११५॥ ॥११६॥ ॥११७॥ ॥११८॥ ॥११९॥ ॥१२०॥ ॥१२१॥ ॥१२२॥ ॥१२३॥ ॥१२४॥ ॥१२५॥ ॥१२६॥ ॥१२७॥ ॥१२८॥ ॥१२९॥ ॥१३०॥ ॥१३१॥ ॥१३२॥ ॥१३३॥ ॥१३४॥ ॥१३५॥ ॥१३६॥ ॥१३७॥ ॥१३८॥ ॥१३९॥ ॥१४०॥ ॥१४१॥ ॥१४२॥ ॥१४३॥ ॥१४४॥ ॥१४५॥ ॥१४६॥ ॥१४७॥ ॥१४८॥ ॥१४९॥ ॥१५०॥ ॥१५१॥ ॥१५२॥ ॥१५३॥ ॥१५४॥ ॥१५५॥ ॥१५६॥ ॥१५७॥ ॥१५८॥ ॥१५९॥ ॥१६०॥ ॥१६१॥ ॥१६२॥ ॥१६३॥ ॥१६४॥ ॥१६५॥ ॥१६६॥ ॥१६७॥ ॥१६८॥ ॥१६९॥ ॥१७०॥ ॥१७१॥ ॥१७२॥ ॥१७३॥ ॥१७४॥ ॥१७५॥ ॥१७६॥ ॥१७७॥ ॥१७८॥ ॥१७९॥ ॥१८०॥ ॥१८१॥ ॥१८२॥ ॥१८३॥ ॥१८४॥ ॥१८५॥ ॥१८६॥ ॥१८७॥ ॥१८८॥ ॥१८९॥ ॥१९०॥ ॥१९१॥ ॥१९२॥ ॥१९३॥ ॥१९४॥ ॥१९५॥ ॥१९६॥ ॥१९७॥ ॥१९८॥ ॥१९९॥ ॥२००॥ ॥२०१॥ ॥२०२॥ ॥२०३॥ ॥२०४॥ ॥२०५॥ ॥२०६॥ ॥२०७॥ ॥२०८॥ ॥२०९॥ ॥२१०॥ ॥२११॥ ॥२१२॥ ॥२१३॥ ॥२१४॥ ॥२१५॥ ॥२१६॥ ॥२१७॥ ॥२१८॥ ॥२१९॥ ॥२२०॥ ॥२२१॥ ॥२२२॥ ॥२२३॥ ॥२२४॥ ॥२२५॥ ॥२२६॥ ॥२२७॥ ॥२२८॥ ॥२२९॥ ॥२३०॥ ॥२३१॥ ॥२३२॥ ॥२३३॥ ॥२३४॥ ॥२३५॥ ॥२३६॥ ॥२३७॥ ॥२३८॥ ॥२३९॥ ॥२४०॥ ॥२४१॥ ॥२४२॥ ॥२४३॥ ॥२४४॥ ॥२४५॥ ॥२४६॥ ॥२४७॥ ॥२४८॥ ॥२४९॥ ॥२५०॥ ॥२५१॥ ॥२५२॥ ॥२५३॥ ॥२५४॥ ॥२५५॥ ॥२५६॥ ॥२५७॥ ॥२५८॥ ॥२५९॥ ॥२६०॥ ॥२६१॥ ॥२६२॥ ॥२६३॥ ॥२६४॥ ॥२६५॥ ॥२६६॥ ॥२६७॥ ॥२६८॥ ॥२६९॥ ॥२७०॥ ॥२७१॥ ॥२७२॥ ॥२७३॥ ॥२७४॥ ॥२७५॥ ॥२७६॥ ॥२७७॥ ॥२७८॥ ॥२७९॥ ॥२८०॥ ॥२८१॥ ॥२८२॥ ॥२८३॥ ॥२८४॥ ॥२८५॥ ॥२८६॥ ॥२८७॥ ॥२८८॥ ॥२८९॥ ॥२९०॥ ॥२९१॥ ॥२९२॥ ॥२९३॥ ॥२९४॥ ॥२९५॥ ॥२९६॥ ॥२९७॥ ॥२९८॥ ॥२९९॥ ॥३००॥ ॥३०१॥ ॥३०२॥ ॥३०३॥ ॥३०४॥ ॥३०५॥ ॥३०६॥ ॥३०७॥ ॥३०८॥ ॥३०९॥ ॥३१०॥ ॥३११॥ ॥३१२॥ ॥३१३॥ ॥३१४॥ ॥३१५॥ ॥३१६॥ ॥३१७॥ ॥३१८॥ ॥३१९॥ ॥३२०॥ ॥३२१॥ ॥३२२॥ ॥३२३॥ ॥३२४॥ ॥३२५॥ ॥३२६॥ ॥३२७॥ ॥३२८॥ ॥३२९॥ ॥३३०॥ ॥३३१॥ ॥३३२॥ ॥३३३॥ ॥३३४॥ ॥३३५॥ ॥३३६॥ ॥३३७॥ ॥३३८॥ ॥३३९॥ ॥३४०॥ ॥३४१॥ ॥३४२॥ ॥३४३॥ ॥३४४॥ ॥३४५॥ ॥३४६॥ ॥३४७॥ ॥३४८॥ ॥३४९॥ ॥३५०॥ ॥३५१॥ ॥३५२॥ ॥३५३॥ ॥३५४॥ ॥३५५॥ ॥३५६॥ ॥३५७॥ ॥३५८॥ ॥३५९॥ ॥३६०॥ ॥३६१॥ ॥३६२॥ ॥३६३॥ ॥३६४॥ ॥३६५॥ ॥३६६॥ ॥३६७॥ ॥३६८॥ ॥३६९॥ ॥३७०॥ ॥३७१॥ ॥३७२॥ ॥३७३॥ ॥३७४॥ ॥३७५॥ ॥३७६॥ ॥३७७॥ ॥३७८॥ ॥३७९॥ ॥३८०॥ ॥३८१॥ ॥३८२॥ ॥३८३॥ ॥३८४॥ ॥३८५॥ ॥३८६॥ ॥३८७॥ ॥३८८॥ ॥३८९॥ ॥३९०॥ ॥३९१॥ ॥३९२॥ ॥३९३॥ ॥३९४॥ ॥३९५॥ ॥३९६॥ ॥३९७॥ ॥३९८॥ ॥३९९॥ ॥४००॥ ॥४०१॥ ॥४०२॥ ॥४०३॥ ॥४०४॥ ॥४०५॥ ॥४०६॥ ॥४०७॥ ॥४०८॥ ॥४०९॥ ॥४१०॥ ॥४११॥ ॥४१२॥ ॥४१३॥ ॥४१४॥ ॥४१५॥ ॥४१६॥ ॥४१७॥ ॥४१८॥ ॥४१९॥ ॥४२०॥ ॥४२१॥ ॥४२२॥ ॥४२३॥ ॥४२४॥ ॥४२५॥ ॥४२६॥ ॥४२७॥ ॥४२८॥ ॥४२९॥ ॥४३०॥ ॥४३१॥ ॥४३२॥ ॥४३३॥ ॥४३४॥ ॥४३५॥ ॥४३६॥ ॥४३७॥ ॥४३८॥ ॥४३९॥ ॥४४०॥ ॥४४१॥ ॥४४२॥ ॥४४३॥ ॥४४४॥ ॥४४५॥ ॥४४६॥ ॥४४७॥ ॥४४८॥ ॥४४९॥ ॥४५०॥ ॥४५१॥ ॥४५२॥ ॥४५३॥ ॥४५४॥ ॥४५५॥ ॥४५६॥ ॥४५७॥ ॥४५८॥ ॥४५९॥ ॥४६०॥ ॥४६१॥ ॥४६२॥ ॥४६३॥ ॥४६४॥ ॥४६५॥ ॥४६६॥ ॥४६७॥ ॥४६८॥ ॥४६९॥ ॥४७०॥ ॥४७१॥ ॥४७२॥ ॥४७३॥ ॥४७४॥ ॥४७५॥ ॥४७६॥ ॥४७७॥ ॥४७८॥ ॥४७९॥ ॥४८०॥ ॥४८१॥ ॥४८२॥ ॥४८३॥ ॥४८४॥ ॥४८५॥ ॥४८६॥ ॥४८७॥ ॥४८८॥ ॥४८९॥ ॥४९०॥ ॥४९१॥ ॥४९२॥ ॥४९३॥ ॥४९४॥ ॥४९५॥ ॥४९६॥ ॥४९७॥ ॥४९८॥ ॥४९९॥ ॥५००॥ ॥५०१॥ ॥५०२॥ ॥५०३॥ ॥५०४॥ ॥५०५॥ ॥५०६॥ ॥५०७॥ ॥५०८॥ ॥५०९॥ ॥५१०॥ ॥५११॥ ॥५१२॥ ॥५१३॥ ॥५१४॥ ॥५१५॥ ॥५१६॥ ॥५१७॥ ॥५१८॥ ॥५१९॥ ॥५२०॥ ॥५२१॥ ॥५२२॥ ॥५२३॥ ॥५२४॥ ॥५२५॥ ॥५२६॥ ॥५२७॥ ॥५२८॥ ॥५२९॥ ॥५३०॥ ॥५३१॥ ॥५३२॥ ॥५३३॥ ॥५३४॥ ॥५३५॥ ॥५३६॥ ॥५३७॥ ॥५३८॥ ॥५३९॥ ॥५४०॥ ॥५४१॥ ॥५४२॥ ॥५४३॥ ॥५४४॥ ॥५४५॥ ॥५४६॥ ॥५४७॥ ॥५४८॥ ॥५४९॥ ॥५५०॥ ॥५५१॥ ॥५५२॥ ॥५५३॥ ॥५५४॥ ॥५५५॥ ॥५५६॥ ॥५५७॥ ॥५५८॥ ॥५५९॥ ॥५६०॥ ॥५६१॥ ॥५६२॥ ॥५६३॥ ॥५६४॥ ॥५६५॥ ॥५६६॥ ॥५६७॥ ॥५६८॥ ॥५६९॥ ॥५७०॥ ॥५७१॥ ॥५७२॥ ॥५७३॥ ॥५७४॥ ॥५७५॥ ॥५७६॥ ॥५७७॥ ॥५७८॥ ॥५७९॥ ॥५८०॥ ॥५८१॥ ॥५८२॥ ॥५८३॥ ॥५८४॥ ॥५८५॥ ॥५८६॥ ॥५८७॥ ॥५८८॥ ॥५८९॥ ॥५९०॥ ॥५९१॥ ॥५९२॥ ॥५९३॥ ॥५९४॥ ॥५९५॥ ॥५९६॥ ॥५९७॥ ॥५९८॥ ॥५९९॥ ॥६००॥ ॥६०१॥ ॥६०२॥ ॥६०३॥ ॥६०४॥ ॥६०५॥ ॥६०६॥ ॥६०७॥ ॥६०८॥ ॥६०९॥ ॥६१०॥ ॥६११॥ ॥६१२॥ ॥६१३॥ ॥६१४॥ ॥६१५॥ ॥६१६॥ ॥६१७॥ ॥६१८॥ ॥६१९॥ ॥६२०॥ ॥६२१॥ ॥६२२॥ ॥६२३॥ ॥६२४॥ ॥६२५॥ ॥६२६॥ ॥६२७॥ ॥६२८॥ ॥६२९॥ ॥६३०॥ ॥६३१॥ ॥६३२॥ ॥६३३॥ ॥६३४॥ ॥६३५॥ ॥६३६॥ ॥६३७॥ ॥६३८॥ ॥६३९॥ ॥६४०॥ ॥६४१॥ ॥६४२॥ ॥६४३॥ ॥६४४॥ ॥६४५॥ ॥६४६॥ ॥६४७॥ ॥६४८॥ ॥६४९॥ ॥६५०॥ ॥६५१॥ ॥६५२॥ ॥६५३॥ ॥६५४॥ ॥६५५॥ ॥६५६॥ ॥६५७॥ ॥६५८॥ ॥६५९॥ ॥६६०॥ ॥६६१॥ ॥६६२॥ ॥६६३॥ ॥६६४॥ ॥६६५॥ ॥६६६॥ ॥६६७॥ ॥६६८॥ ॥६६९॥ ॥६७०॥ ॥६७१॥ ॥६७२॥ ॥६७३॥ ॥६७४॥ ॥६७५॥ ॥६७६॥ ॥६७७॥ ॥६७८॥ ॥६७९॥ ॥६८०॥ ॥६८१॥ ॥६८२॥ ॥६८३॥ ॥६८४॥ ॥६८५॥ ॥६८६॥ ॥६८७॥ ॥६८८॥ ॥६८९॥ ॥६९०॥ ॥६९१॥ ॥६९२॥ ॥६९३॥ ॥६९४॥ ॥६९५॥ ॥६९६॥ ॥६९७॥ ॥६९८॥ ॥६९९॥ ॥७००॥ ॥७०१॥ ॥७०२॥ ॥७०३॥ ॥७०४॥ ॥७०५॥ ॥७०६॥ ॥७०७॥ ॥७०८॥ ॥७०९॥ ॥७१०॥ ॥७११॥ ॥७१२॥ ॥७१३॥ ॥७१४॥ ॥७१५॥ ॥७१६॥ ॥७१७॥ ॥७१८॥ ॥७१९॥ ॥७२०॥ ॥७२१॥ ॥७२२॥ ॥७२३॥ ॥७२४॥ ॥७२५॥ ॥७२६॥ ॥७२७॥ ॥७२८॥ ॥७२९॥ ॥७३०॥ ॥७३१॥ ॥७३२॥ ॥७३३॥ ॥७३४॥ ॥७३५॥ ॥७३६॥ ॥७३७॥ ॥७३८॥ ॥७३९॥ ॥७४०॥ ॥७४१॥ ॥७४२॥ ॥७४३॥ ॥७४४॥ ॥७४५॥ ॥७४६॥ ॥७४७॥ ॥७४८॥ ॥७४९॥ ॥७५०॥ ॥७५१॥ ॥७५२॥ ॥७५३॥ ॥७५४॥ ॥७५५॥ ॥७५६॥ ॥७५७॥ ॥७५८॥ ॥७५९॥ ॥७६०॥ ॥७६१॥ ॥७६२॥ ॥७६३॥ ॥७६४॥ ॥७६५॥ ॥७६६॥ ॥७६७॥ ॥७६८॥ ॥७६९॥ ॥७७०॥ ॥७७१॥ ॥७७२॥ ॥७७३॥ ॥७७४॥ ॥७७५॥ ॥७७६॥ ॥७७७॥ ॥७७८॥ ॥७७९॥ ॥७८०॥ ॥७८१॥ ॥७८२॥ ॥७८३॥ ॥७८४॥ ॥७८५॥ ॥७८६॥ ॥७८७॥ ॥७८८॥ ॥७८९॥ ॥७९०॥ ॥७९१॥ ॥७९२॥ ॥७९३॥ ॥७९४॥ ॥७९५॥ ॥७९६॥ ॥७९७॥ ॥७९८॥ ॥७९९॥ ॥८००॥ ॥८०१॥ ॥८०२॥ ॥८०३॥ ॥८०४॥ ॥८०५॥ ॥८०६॥ ॥८०७॥ ॥८०८॥ ॥८०९॥ ॥८१०॥ ॥८११॥ ॥८१२॥ ॥८१३॥ ॥८१४॥ ॥८१५॥ ॥८१६॥ ॥८१७॥ ॥८१८॥ ॥८१९॥ ॥८२०॥ ॥८२१॥ ॥८२२॥ ॥८२३॥ ॥८२४॥ ॥८२५॥ ॥८२६॥ ॥८२७॥ ॥८२८॥ ॥८२९॥ ॥८३०॥ ॥८३१॥ ॥८३२॥ ॥८३३॥ ॥८३४॥ ॥८३५॥ ॥८३६॥ ॥८३७॥ ॥८३८॥ ॥८३९॥ ॥८४०॥ ॥८४१॥ ॥८४२॥ ॥८४३॥ ॥८४४॥ ॥८४५॥ ॥८४६॥ ॥८४७॥ ॥८४८॥ ॥८४९॥ ॥८५०॥ ॥८५१॥ ॥८५२॥ ॥८५३॥ ॥८५४॥ ॥८५५॥ ॥८५६॥ ॥८५७॥ ॥८५८॥ ॥८५९॥ ॥८६०॥ ॥८६१॥ ॥८६२॥ ॥८६३॥ ॥८६४॥ ॥८६५॥ ॥८६६॥ ॥८६७॥ ॥८६८॥ ॥८६९॥ ॥८७०॥ ॥८७१॥ ॥८७२॥ ॥८७३॥ ॥८७४॥ ॥८७५॥ ॥८७६॥ ॥८७७॥ ॥८७८॥ ॥८७९॥ ॥८८०॥ ॥८८१॥ ॥८८२॥ ॥८८३॥ ॥८८४॥ ॥८८५॥ ॥८८६॥ ॥८८७॥ ॥८८८॥ ॥८८९॥ ॥८९०॥ ॥८९१॥ ॥८९२॥ ॥८९३॥ ॥८९४॥ ॥८९५॥ ॥८९६॥ ॥८९७॥ ॥८९८॥ ॥८९९॥ ॥९००॥ ॥९०१॥ ॥९०२॥ ॥९०३॥ ॥९०४॥ ॥९०५॥ ॥९०६॥ ॥९०७॥ ॥९०८॥ ॥९०९॥ ॥९१०॥ ॥९११॥ ॥९१२॥ ॥९१३॥ ॥९१४॥ ॥९१५॥ ॥९१६॥ ॥९१७॥ ॥९१८॥ ॥९१९॥ ॥९२०॥ ॥९२१॥ ॥९२२॥ ॥९२३॥ ॥९२४॥ ॥९२५॥ ॥९२६॥ ॥९२७॥ ॥९२८॥ ॥९२९॥ ॥९३०॥ ॥९३१॥ ॥९३२॥ ॥९३३॥ ॥९३४॥ ॥९३५॥ ॥९३६॥ ॥९३७॥ ॥९३८॥ ॥९३९॥ ॥९४०॥ ॥९४१॥ ॥९४२॥ ॥९४३॥ ॥९४४॥ ॥९४५॥ ॥९४६॥ ॥९४७॥ ॥९४८॥ ॥९४९॥ ॥९५०॥ ॥९५१॥ ॥९५२॥ ॥९५३॥ ॥९५४॥ ॥९५५॥ ॥९५६॥ ॥९५७॥ ॥९५८॥ ॥९५९॥ ॥९६०॥ ॥९६१॥ ॥९६२॥ ॥९६३॥ ॥९६४॥ ॥९६५॥ ॥९६६॥ ॥९६७॥ ॥९६८॥ ॥९६९॥ ॥९७०॥ ॥९७१॥ ॥९७२॥ ॥९७३॥ ॥९७४॥ ॥९७५॥ ॥९७६॥ ॥९७७॥ ॥९७८॥ ॥९७९॥ ॥९८०॥ ॥९८१॥ ॥९८२॥ ॥९८३॥ ॥९८४॥ ॥९८५॥ ॥९८६॥ ॥९८७॥ ॥९८८॥ ॥९८९॥ ॥९९०॥ ॥९९१॥ ॥९९२॥ ॥९९३॥ ॥९९४॥ ॥९९५॥ ॥९९६॥ ॥९९७॥ ॥९९८॥ ॥९९९॥ ॥१०००॥

वूनीहा ॥१॥ पानसूयानी मूषपत्र दानी हसिहसिवाहीं वूनी
हो ॥२॥ पावनूपेयानन्दहमदयी नानदिनवाहीं वूनीहा॥
॥३॥ वादवादनीकरुनछादनी घसिघसिवाहीं वूनीहा॥४॥
वाषलहिकीहूहूनिउमनी रानिहानिवाहीं वूनीहा॥५॥
लाल गूलाली खूसवाच आयी छिलिकरा वाहीं वूनीहा॥६॥
हाथरुकिलउ नामनकी गपगपवाहीं वूनीहा॥७॥ माहा
नाजकी इकमहागयी जीउथाहूवाहीं वूनीहा॥८॥ ॥
॥२१०॥ ॥उरुह॥ ॥नाग॥ ॥दखोगीनावूनरुला
दखारुला लोनारुला खनिखनिखनि तनिवूनी चिकनायि॥

निकलतीनऊ ॥ १ ॥ गनितनिचाहीमतिदनी, गपगपपेथनीलोना
॥ २ ॥ चादिचादिहुतिवृतितनि, लादआनदूनपेथिमना ॥ ३ ॥ हु
तिहुतिगयीदरवनी, यसिघासि, उमउरवलगा ॥ ४ ॥ घनि
घनिवलाचादायिकि, पक्रपक्र, नसनस, चादा ॥ ५ ॥ चलचः
लूनलिकथनीकी, सउपउपिकउर्यमना ॥ ६ ॥ ॥ २०१ ॥ उ
रनोग ॥ वसन्त ॥ वंश ॥ लानथनी, कानूरु, सखी, चोगाजाना छा
किन, हालियाउ, मिजी, सस्उास ॥ छ ॥ छपूगाचागा भूति
न, भूतसथनेउ, चूउ, काया, रचा, सयिका, छाउरवालरुलन:

॥ १ ॥ लउ, छा, लवानन, नंगलिनगुउ, उासमिया, उाकाया
ना, स्यामचिकूचालन ॥ २ ॥ हालभा, भूवी, लनन, घसघसपूउा:
थिथीलाका, लाकाहाला, भूवी, भूवलखन ॥ ३ ॥ भूमिवी, लान, ध
लन, रुलउास, छाउरवाल, हाकू, मिखा, नरग्ख, पलपतिवानन,
॥ ४ ॥ राउादासीनछानन, ६६ खयिगन, नान, मन, रग्खपिना
थचानछिनकीनन ॥ ५ ॥ ॥ २०२ ॥ उ ४ ॥ ॥ नाग ॥ चाउ ॥
मथिसियाया, पूउादम ॥ ॥ गुलसवासहनाम, गरथ्वा
नी, ॥ छ ॥ नमारीसमारावली, विउावनदान, श्रीहिमगदा
पाही ॥ १ ॥ हालीपूजी, धूनस्थेसी, सिनिनषतसे, थूगूसि, महा:

वस ॥ २ ॥ झाडद स गरथ्व अनी जिपूसामि याग देवन तिस दि
स्ति ॥ ३ ॥ कनमजी दगरनी हानमइ थथि जीरन वसस्वामी
॥ ४ ॥ रवाविवाल हलखूसी मनचियमइ जीरन वलक्ती ॥ ५ ॥
गरथ क्रायप्रान जिक्की रनि मखदन जीरन वलदक्की ॥ ६ ॥ च
मसुपूनाशचानी नापलाग मन जीरन वलक्रिक्की ॥ ७ ॥ छूयि
नीरथ्व दनमति वितहनहन जीरन सिनिकैजी ॥ ८ ॥ चानक्रि
न वायमगी । छिजीनापचान जीरन वलक्रिती ॥ ९ ॥ छिजीनूप
लूरथ्व इमी चलायागुमिस्वा जीरन वलक्रीक्की ॥ १० ॥ जिवीनती ६

६ प्रह ध्वज थथि ६ जि जीरन वनथजी ॥ ११ ॥ मूलगूवूगन
मिमी महाजधूहाकी पूनूस्व मूर्वस्व नी ॥ १२ ॥ जशन ससव ६
जधूहायकाजमासी क्रासस पूनूषक्की ॥ १३ ॥ ठानजानजसा
स्वसो लिव्वक्रव्व लिव्व ग्यानव्व ६ ६ हथी ॥ १४ ॥ थानवानहा
नखहि नूपगुनक्कनमतठाजी ॥ १५ ॥ दयीवनहालमिमीमि
लहजाभूतीजीरन वैसक्कजी ॥ १६ ॥ ६नमदयकमभूक्क
नेक्षजागूसि वियातजीनमाजी ॥ १७ ॥ ध्यमभूजाभूवूहया
हूयिलिपतसहीनमु यानिमिक्ति ॥ १८ ॥ तावामालयाइनेस
स्वापारव अपिभूमीकंस कहीनेस ॥ १९ ॥ थथि ६ गूवचनकी

रूगवजर्ज्जी.ज्ञानज्ञाय मस्व ॐस ॥ २० ॥ दस्वाद स्त्रिंदिय ज्ञास:
निदहूना ब्भाद द्वस्त्रीलिका हाजाय ॥ २१ ॥ धर्म्म कर्म्म याज्ञमालि
घनकमाय्या ज्ञासस ज्ञानपद्ध ॥ २२ ॥ ननानन ज्ञानमिली.मा
मववासि ज्ञाय्याहह ब्वद्धस्ना नि ॥ २३ ॥ पासाणनिज्ञानतप्त्रास्ना
लदकाकूचि.नधूना.ज्ञासदकि ॥ २४ ॥ हस्तचिकूस्वाहृयकद्वाय
लस.दवी.ज्ञालदनकचानि ॥ २५ ॥ वाहमाहंकायगनी.हलीचा
ज्ञाजाग.कायज्ञाहस्यमति ॥ २६ ॥ सेचामायहस्वाचमी.ज्ञाभस्
गवावू.देवन.थनवोचि ॥ २७ ॥ मासवबासकसि[illegible].सहविदा